RNI No. UTTHIN/2022/81460

REGISTRATION No.: UA/DO/DDN/02/2022-24

देवकमल

वर्ष : 7, अंक : 07, जुलाई 2024

उत्तराखंड भाजपा का वैचारिक मुखपत्र

योग हमारी विरासत नरेंद्र मोदी

विश्व योग दिवस पर योग करते कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज साथ में पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, श्री प्रेमचंद अग्रवाल, श्रीमती रेखा आर्य, श्री सुबोध उनियाल एवं डॉ. धन सिंह रावत।

अनुक्रमणिका

देवकमल

वर्ष : 7, अंकः 07, जुलाई, 2024

जीत के क्रम को निरंतर जारी रखेंगे
भाजपा समीक्षा बैठक में लिया निर्णय | पृष्ठ ▸▸ 04

केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर मुख्यमंत्री ने
प्रदेश के लिए तय किए विकास के आयाम | पृष्ठ ▸▸ 14

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के तीन साल विकास के लिए बेमिसाल ▸▸पृष्ठ 06
राष्ट्रीय एकता के प्रबल पक्षधर थे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ▸▸पृष्ठ 08
विकसित भारत और तीसरी आर्थिक शक्ति बनने का रोड मैप :भट्ट ▸▸पृष्ठ 13
'एक पेड़ मां के नाम' से होगा धरा का श्रृंगार ▸▸पृष्ठ 17
कांग्रेस की काली करतूतों की अवधि थी इमर्जेंसी ▸▸पृष्ठ 18
नमो ऐप बन रहा है समस्याओं के समाधान का माध्यम ▸▸पृष्ठ 20
युगांतरकारी सुझावों के चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ▸▸पृष्ठ 21
महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा पानी बोओ पानी उगाओ अभियान ▸▸पृष्ठ 22
प्रभाकर के लिए राष्ट्र व समाजहित सर्वोपरि था : कोश्यारी ▸▸पृष्ठ 24
मोदी जी ने लगतार तीसरी बार पद एवं गोपनीयता की ली शपथ ▸▸पृष्ठ 26
विकसित भारत के इरादे के साथ राष्ट्र प्रथम के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे ▸▸पृष्ठ 30

संरक्षक

श्री महेन्द्र भट्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, उत्तराखंड

श्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

मार्गदर्शन

श्री अजेय जी

भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन)

प्रबंध संपादक

श्रीमती विनोद उनियाल

संपादक

राम प्रताप मिश्र 'साकेती'

लेआउट

ए.एस. चौहान

मूल्य
10 रुपये

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलबीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक : राम प्रताप मिश्र 'साकेती'

देवभूमि की जनता का आभार

महेन्द्र भट्ट
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, उत्तराखंड

संसदीय चुनाव में उत्तराखंड की जनता ने जिस तरह भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास दिखाया इसके लिए देवतुल्य जनता के साथ-साथ हमारे वह कार्यकर्ता धन्ववाद के पात्र हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी को पांच संसदीय सीटें अच्छे मतों से दिलाई। राष्ट्रप्रेम और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना देवभूमि की जनता में कूट कूट कर भरी है। राष्ट्रप्रेम हमारी विरासत है। इसका एक कारण यह भी है कि अधिकांश परिवारों के लोग सीमांत क्षेत्रों में सेना तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों के माध्यम से सेवा कर रह हैं। सच यही है कि यदि हमारी सीमाएं सुरक्षित न हो तो हम रात की नींद चैन से नहीं ले सकते। सीमा रक्षण कार्य करने वाले हमारे जवान तथा विभिन्न सुरक्षा बलों के लोगों ने जिस तरह राष्ट्र को सुरक्षा की दृष्टि से अभेद्य बनाने का कार्य किया है वह अपने आप में अप्रतिम है। इसके लिए जहां हमारे जवान साधुवाद के पात्र है उनके परिजन जो अपने बच्चों के माध्यम से देश के सीमांत क्षेत्रों से जुड़ें है वह भी साधुवाद के पात्र है जिन्हें राष्ट्रप्रेम घुट्टी में मिला हुआ है।

एक गीत है जिसमें कहा गया है - तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित, चाहता हूं राष्ट्र मेरे मैं तुझे कुछ और भी दूं। गीत की यह पंक्तियां पूरी तरह देवभूमि पर चरितार्थ होती है। हमारे देवभूमि की महान जनता राष्ट्रवादी शक्तियों से जुड़कर जिस तरह डबल ईंजन सरकार और केंद्र सरकार के हाथ मजबूत कर रही है वह अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है। आप सबसे एक विनम्र आग्रह है कि अबकी बार हमने गर्मी का ऐसा प्रभाव देखा है जो असहनीय था। मैदानों के साथ- साथ पर्वतीय क्षेत्रों में भी मौसम गर्म हो गया था। इसका एक ही कारण है कि हमने प्रकृति के साथ चाहे-अनचाहे छेड़छाड़ की है जिसका दुष्परिणाम हमें देखने को मिला है। आने वाले समय में इसकी भरपाई के लिए हमारे पास एक विशाल अवसर है हरेला जैसे पावन पर्व पर हम अधिकाधिक वृक्षारोपण कर उन्हें जीवित रखने का सार्थक प्रयास करें ताकि इस धरती का श्रृंगार हो और इन वृक्षों के माध्यम से तो हम धरती को तो सजाएंगे ही, अपने लिए प्राणवायु का प्रबंधन करें। प्रकृति के साथ जुड़ना आज की आवश्यक आवश्यकता है। सघन वृक्षारोपण और क्षेत्रीय प्रकृति के अनुकूल वृक्षारोपण कर पूरे प्रदेश और देश को हरीतिमा के साथ-साथ प्राणवायु देने का काम करें, यह समय की मांग तो है ही हमारे अपने लिए भी काफी महत्वपूर्ण है। आइये ! हम सब मिलकर इस धरती को सजाएं, संवारे और हरीतिमा के माध्यम से इनका श्रृंगार करें। यह व्यवस्था हमारे लिए और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए काफी महत्वपूर्ण और उपयोगी साबित होगी।

प्रकृति का श्रृंगार आवश्यक

न्यग्रोधमेकम् दश चिञ्चिणीकान्।

कपित्थबिल्वाऽऽमलकत्रयञ्च पञ्चाऽऽम्रमुप्त्वा नरकन्न पश्येत्।।

यह श्लोक इस बात की चर्चा करता है कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए जो भी व्यक्ति इन वृक्षों का रोपण करेगा, देखाभाल करेगा उसे नरक के दर्शन नहीं करने पड़ेंगे। यह श्लोक इस बात का प्रतीक है कि वृक्ष विशेषकर कुछ वृक्ष जिनमें पीपल, नीम, बरगद, कपित्थ, बेल आदि शामिल है। इनका लगाना प्रकृति को सजाने, संवारने के साथ-साथ धार्मिक मान्यताओं के भी अनुरूप है।

वृक्षायुर्वेद एक संस्कृत ग्रन्थ है जिसमें वृक्षों के स्वास्थ्यपूर्ण विकास एवं पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित चिन्तन है। यह चिंतन आज भले ही प्राचीन परंपरा मान ली जाए लेकिन प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए भारतीय विद्वानों के साथ-साथ पाश्चात्य विद्वान भी लगातार प्रयासरत हैं कि हम सब मिलकर प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन करें। सन् 1996 में डॉ. वाय एल नेने (एशियन एग्रो-हिस्ट्री फाउन्डेशन, भारत) ने यूके के बोल्डियन पुस्तकालय (आक्सफोर्ड) से इसकी पाण्डुलिपि प्राप्त की। डॉ. नलिनी साधले ने इसका अनुवाद अंग्रेजी में किया। वृक्षायुर्वेद की पाण्डुलिपि देवनागरी के प्राचीन रूप वाली लिपि में लिखी गयी है। इस कृति में 325 सुगठित श्लोक हैं जिनमें अन्य बातों के अलावा 170 पौधों की विशेषताएं बताई गई है और यह स्पष्ट किया गया है कि इन वृक्षों के लगाने से क्या लाभ होता है।

वनस्पति विज्ञान के विश्व विख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश चन्द्र बसु का एक बचपन का किस्सा है जिसके मुताबिक बसु एक बार शाम के वक़्त किसी पेड़ पर अटके एक गेंद को उतारने की कोशिश कर रहे होते हैं। उन्हें ऐसा करते देख उनकी माँ उन्हें समझाती हैं कि शाम में पेड़ को तंग नहीं करना चाहिए। बसु ने उत्सुकता में माँ से इसका कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि शाम में पेड़ सो रहे होते हैं। यह सुनकर बसु आश्चर्यचकित हो गए क्योंकि उस समय पेड़-पौधों की गिनती जीवित प्राणियों के बीच नहीं होती थी। बाद में डॉक्टर जगदीश चंद्र बसु ने अपने शोध और बुद्धि के बल पर दुनिया को दिखाया कि पेड़-पौधे न सिर्फ जीवित होते हैं बल्कि उन्हें दर्द भी महसूस होता है। डॉ. बसु का यह संदेश इस बात का प्रतीक है कि वृक्षों में भी जीवन है और जिस तरह से हमने उसका अंधाधूंध विदोहन किया है वह प्रकृति के स्वरूप को विकृत करने का एक महत्वपूर्ण पाप है जिसे हमें ही मिलकर भरना होगा। हमारे शास्त्रों, पुराणों, वेदों में वृक्ष और पौधों को देव तुल्य माना गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के माध्यम से प्रकृति को सजाने, संवारने के इस पर्व को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हम सब मिलकर इसकी गति और तेज करें, साथ ही साथ प्रयास कर लगाए गए वृक्षों को संरक्षित करने का प्रयास करें जो आज के अवसर की मांग है।

राम प्रताप मिश्र 'साकेती'

जीत के क्रम को निरंतर जारी रखेंगे भाजपा समीक्षा बैठक में लिया निर्णय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की विजय माला में 5 कमल की संकल्पपूर्ति के साथ संगठन को और बेहतर करने के संकल्प को लेकर भारतीय जनता पार्टी निरंतर समीक्षात्मक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। मुख्य समीक्षा कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सांसद श्री महेंद्र भट्ट, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी समेत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा का यह कार्यक्रम लगातार चल रहा है ताकि कहीं कोई कमी न रह जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जहां जीत के क्रम को जारी रखने का आह्वान किया वहीं प्रदेश प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम ने मोदी के मार्गदर्शन और धामी सरकार के कामों को जनता के समर्थन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि धामी के निर्णयों ने इतिहास रचा है। उत्तराखण्ड के ऐतिहासिक निर्णय पार्टी के घोषणापत्र में हुए शामिल यह राज्य वासियों के लिए गौरव की बात है।

राजपुर रोड स्थिति एक होटल में आयोजित दो दिवसीय समीक्षा बैठकों में सर्वांगीण रूप से चुनावी समीक्षात्मक चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में प्रदेश प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि कम मतदान के बावजूद पिछली जीत के अंतर को लगभग कायम रखते हुए हम 12 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज करने में सफल हुए हैं । इसी संदर्भ में चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जनता द्वारा डबल इंजन सरकार की दी गई जिम्मेदारी में हासिल सफलता हमारी जीत का बड़ा कारण बनी हैं । साथ ही लोकसभा एवं जिलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने जीत के इस क्रम को आगे भी आगे भी जारी रखने का आह्वान किया।

लोकसभा चुनाव समाप्ति पर आयोजित महत्वपूर्ण बैठकों के क्रम में प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक राजपुर रोड स्थित निजी होटल में आयोजित हुई । कार्यक्रम में सीएम श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में सम्पूर्ण चुनाव प्रबंधन टीम को बधाई दी और कहा कि चुनाव के परिणाम बताते हैं कि राज्य की जनता ने केंद्र और राज्य की सरकार को जो भी दायित्व सौंपा था, उसके क्रियान्वयन में हम सभी सफल हुए हैं। मोदी सरकार ने महिलाओं, युवाओं, किसानों एवम पिछड़े वर्गों के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा है। राज्य में धर्मांतरण, नकल विरोधी कानून, यूसीसी, दंगारोधी आदि ऐतिहासिक कानून बनाने का आशीर्वाद जनता ने हमे दिया है। हम सबके लिए यह गर्व का विषय है कि जन सहयोग से लिए ऐसे तमाम निर्णय को देश में अपनाया जा रहा है। हर चुनाव में समीकरण बदलते रहते हैं, लिहाजा अपने लिए नई चुनौतियों को तय करते हुए हमे इस जीत से मिली नई ऊर्जा को एकत्र कर आगे भी जीत के क्रम को जारी रखना है।

प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत कुमार गौतम ने समीक्षा एवं धन्यवाद बैठक को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव प्रबंधन टीम के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से हमे यह जीत मिली है। मतदान प्रतिशत कम होने के बावजूद विगत चुनावों के 14 लाख के मुकाबले इस बार लगभग 12 लाख से अधिक अंतर से हमने जीत दर्ज की है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और श्री पुष्कर सिंह धामी सरकार के कामों पर जनता में हमें अपना समर्थन दिया है । राज्य के ऐसे कई निर्णय हैं जिन्होंने इतिहास रचा और बाद में वह पार्टी के घोषणापत्र में भी शामिल किए गए। उन्होंने चुनाव टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमने बेहतर कार्य किया है और उसे अधिक

बेहतर करने के प्रयास जारी रखना चाहिए और पहले से अच्छा होने की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए।

चुनावी टीम का हौसला बढ़ाते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि सबके कार्यों का परिणाम है कि हम पीएम मोदी से किए उस वादे को पूरा करने में सफल हुए हैं कि जिसमे प्रदेश नेतृत्व ने जीत की माला में 5 कमल देवभूमि से देने का वादा किया था। 2022 के चुनावों में हमने 47 सीट पर जीत दर्ज की थी और इस बार 60 सीट पर जीते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी सुझाव इन बैठकों में सामने आए हैं उन पर विस्तृत चर्चा कर भविष्य की रणनीति में अमल में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी विद डिफरेंस है, यही वजह कि हम जीत के बाद भी चर्चा और समीक्षा करते हैं। आने वाले दिनों में मंडल एवं बूथ स्तर पर समीक्षा कर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया जाएगा।

बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी ने चुनाव प्रबंध समिति के 38 विभागों की समीक्षा की। जिसमें प्रदेश कार्यलय विभाग, प्रवास विभाग, प्रचार प्रसार विभाग, प्रचार साहित्य सामग्री, मीडिया विभाग, मीडिया संपर्क, सोशल एवं आईटी, महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, युवा मोर्चा आदि सभी विभागों के संयोजकों ने विस्तृत रिपोर्ट पेश की। उन्होंने सभी लोगों से चुनाव के दौरान अपनी अपनी भूमिका के निर्वहन में आने वाली समस्याओं को लेकर जानकारी और सुझाव लिए।

इस समीक्षा बैठक में जानकारी दी गयी कि राज्य के 3 केंद्रों देहरादून, हल्द्वानी एवं श्रीनगर से प्रदेश स्तर के मीडिया कार्यक्रमों की संचालित किया गया, जिसमें 78 पत्रकार वार्ता एवं ब्रीफिंग की गई। देहरादून में 23 लोकसभा एवम विधानसभा स्तर की गई। इन कार्यकर्ताओं में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की 5, प्रदेश प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम की 3, प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट की 5 एवं राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल की 8 वार्ताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त नियमित रूप से प्रतिदिन प्रदेश स्तर पर मीडिया टीम की वर्चुअल बैठक संचालित की गई। कार्यक्रम के अंत में चुनाव प्रबंध समिति के प्रदेश संयोजक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री नरेश बंसल ने समस्त टीम को जीत की बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। समीक्षा बैठकों के क्रम में ही भाजपा

प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में लोकसभा चुनाव परिणामों की समीक्षा करते हुए शानदार जीत पर जनता एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। विधानसभा उपचुनाव प्रक्रिया को लेकर रणनीति को अंतिम रूप देते हुए नवनिर्वाचित सांसद श्री अनिल बलूनी को बद्रीनाथ एवं श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को मंगलौर विधानसभा पालक की जिम्मेदारी दी गई हैं। कोर ग्रुप की बैठक में दोनों उपचुनाव के लिए चुनाव प्रबंधन प्रभारी एवं संयोजकों के नामों को भी तय किया गया है। उन्होंने बताया कि कोर ग्रुप द्वारा बद्रीनाथ सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए विधानसभा पालक के रूप में नवनिर्वाचित गढ़वाल सांसद श्री अनिल बलूनी को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही मंगलौर सीट के लिए विधानसभा पालक के रूप में नवनिर्वाचित हरिद्वार सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत चुनावी दायित्व संभालेंगे। इसके अतिरिक्त दोनों चुनाव के लिए चुनाव प्रबंध प्रभारी के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत बद्रीनाथ एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद को मंगलौर सीट का काम देखेंगे। वहीं इनके विधानसभा संयोजक के तौर पर श्री भगवती प्रसाद नंबूरी एवं प्रभारी श्री विजय कपरवाण को विधानसभा बद्रीनाथ और श्री दिनेश पंवार को सयोजक एवं प्रभारी अजीत चौधरी मंगलौर विधानसभा में दायित्व का निर्वहन करेंगे।

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पौड़ी, टिहरी, हरिद्वार, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ सीट के सभी विधानसभा विस्तारकों से लोकसभानुसार अलग अलग चर्चा की गई। इस दौरान उनके अनुभवों, समस्याओं और सुझावों को प्राथमिकता से लेते हुए आगामी रणनीति में उपयोग किया जाएगा।

दो दिवसीय कार्यक्रम में जिन लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और जिनकी विशिष्ट उपस्थिति रही उनमें प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नवनिर्वाचित हरिद्वार सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पूर्व मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं नवनिर्वाचित नैनीताल सांसद श्री अजय भट्ट, राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, टिहरी लोकसभा सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज, डाक्टर धन सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन कौशिक, श्री आदित्य कोठारी, श्री राजेंद्र बिष्ट, श्री खिलेंद्र चौधरी, विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान, श्री पुनीत मित्तल,प्रदेश कार्यालय सचिव श्री कौस्तुभानंद जोशी, श्री अनिल गोयल, डाक्टर देवेंद्र भसीन, श्री विनोद सुयाल, श्री सौरभ थपलियाल, श्रीमती आशा नौटियाल, श्रीमती मीरा रतूड़ी, श्रीमती मधु भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कुलदीप कुमार, विस्तारक कार्यक्रम संयोजक श्री कुंदन परिहार, सह संयोजक श्री ऋषि राज कंडवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनवीर चौहान, श्री राजेंद्र नेगी, महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्री राजेंद्र ढिल्लो समेत लोकसभा विस्तारक, विधानसभा विस्तार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बैठक में लोकसभा संयोजकों, सह संयोजकों, प्रभारी, सह प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह प्रभारी समेत सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष एवम महमंत्रियों की धन्यवाद एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसको प्रदेश मीडिया प्रभारी, मुख्यमत्री, प्रदेश अध्यक्ष एवं चुनाव प्रबंध समिति संयोजक ने संबोधित किया।

●प्रस्तुतिः देवकमल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के तीन साल विकास के लिए बेमिसाल

चार जुलाई को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री के रूप में तीन वर्ष पूर्ण हो चुके है। इन तीन वर्षों में क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। देवभूमि का देवतुल्य स्वरूप बना रहे इसके लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी लगातार प्रयासरत है। तीन साल में दिए गए उनके 68 महत्वपूर्ण और विशेष निर्णयों ने पूरे देश में उत्तराखंड की अलग पहचान बना दी है। मुख्यमंत्री के उठाए गए कदम अब अन्य प्रदेशों के लिए भी उदाहरण बन रहे हैं।

मनवीर चौहान

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हुई जिसके माध्यम से तुष्टिकरण नहीं पुष्टिकरण का कार्य चल रहा है। समान नागरिक संहिता कानून के संदर्भ में अन्य राज्य भी प्रयास कर रहे हैं। श्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में जबरन धर्मांतरण के प्रयास को विफल कर दिया है इसके लिए कठोर कानून बनाया गया है। लव जेहाद और लैंड जेहाद का प्रभाव कम किया गया है। लैंड जेहाद पर कार्यवाही करके देवभूमि उत्तराखंड में सुख, शांति और अमन-चैन सुनिश्चित किया है। लैंड जिहाद के तहत की गई कार्यवाही के दौरान प्रदेश में करीब 5 हजार एकड़ सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कड़े कदम उठाए हैं और सख्ती से इसे रोकने का प्रयास किया है।

कुछ शरारती तत्व जो आंदोलन के नाम पर सरकारी संपत्ति की क्षति पहुंचाते थे उसके लिए ऐसा कठोर कानून बनाया गया है। अब सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले दंगाइयों से ही संपत्ति की भरपाई की जाएगी। मातृ शक्ति को 30 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रकरण हो या परियोजना लागत का 30 प्रतिशत या एक लाख रुपये की सब्सिडी दिया जाना। महिला स्वयं सहायता समूह को पांच लाख का ऋण बिना ब्याज का दिया जाना, लखपति दीदी योजना के तहत अब तक 80 हजार महिलाओं को लखपति बनाया जा चुका है। 2025 तक एक लाख 25 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लिया गया है। इसी तरह महिलाओं, युवाओं, किसानों के लिए ऐसी महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई जा रही है जो उनके विकास को त्वरिता देंगी, साथ ही साथ प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास करेंगी।

लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके सभी आश्रित पात्रों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के तीन साल के कार्यकाल में नकल विरोधी कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा रोधी कानून और महिला आरक्षण जैसे निर्णयों से प्रदेश की छवि पूरे देश में विशेष रूप से बनी है। उत्तराखंड सरकार के नकल विरोधी कानून की तर्ज पर गुजरात, मध्य प्रदेश जैसे कई राज्य नियम बना रहे हैं। जिनके अपनाने से नकल करने और कराने के संदर्भ में कोई सोच भी नहीं पाएगा। जहां जबरन धर्मांतरण कराने पर 10 वर्ष की सजा है, वहीं होम स्टे, मोटा अनाज उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाना, नई खेल नीति जैसे संदर्भों में विशेष कार्य हुआ है। इसी तरह विभिन्न विभागों के रोजगार सृजन के बाद हुई नियुक्तियों को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है जो इस बात का संकेत है कि रोजगार के संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष

रूप से प्रयासरत हैं। बेरोजगारों के लिए उनका विशेष ध्यान है। हाल फिलहाल 19 हजार पदों पर भर्ती की विज्ञप्तियां शीघ्र ही होने वाली है।

उत्तराखंड सरकार लगातार जन मुद्दों पर जागरूकता करने के साथ-साथ जनता को लाभान्वित करने की योजना को कार्यान्वित कर रही है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार कर रही है। भ्रष्टाचार पर अंकुश के तहत 63 लोगों को दंडित किया जा चुका है। आयुष्मान भारत में 55 लाख लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए है जबकि 19.11 लाख मरीजों का निशुल्क उपचार किया गया है। इस चिकित्सा जिस पर एक करोड़ 72 लाख से अधिक का खर्च आया है। प्रदेश में 207 प्रकार की पैथोलाजी जांचे निशुल्क कर दी गई है। विकास की योजनाओं के तहत केदारनाथ रोपवे एवं कर्णप्रयाग रेल लाइन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है।

प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। केदारनाथ रोपवे के तहत 16 किलोमीटर की दूरी जो 5-6 घंटों में पूरी होती थी अब मात्र 28 मिनट में पूरी होगी। सिद्धपीठ सुरकंडा देवी मंदिर में रोपवे शुरू किया जा चुका है। इसके साथ ही गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविदं घाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे का शिलान्यास किया गया। वहीं पर्वतमाला परियोजना के तहत रानीबाग से नैनीताल, पंच कोटि से नई टिहरी, खलियाटॉप से मुन्स्यारी, नीलकंठ, औली से गौरसों रोपवे, पूर्णागिरि मंदिर रोपवे परियोजनाओं की प्रक्रिया भी गतिमान है। नैनीताल जिले के काठगोदाम से हनुमानगढ़ी के बीच रोपवे के निर्माण कार्य हेतु निविदा प्रक्रिया शुरू।

इसी तरह मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आदि कैलास को राष्ट्रीय फलक पर लाने का उपक्रम किया है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आदि कैलास के दर्शन कर उसका महत्व बताया था जबकि मुख्यमंत्री ने आदि कैलास में योग दिवस पर योग कर पर्यटकों के लिए उसकी विशिष्टता बताई है। इनवेंस्टर समिट, होम स्टे योजना, नई खेल नीति, मोटे अनाज जैसे विषयों पर चर्चा की तथा कहा कि उत्तराखंड में हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सकेगा। इसके लिए विशेष प्रबंधन किया गया है। हवाई अड्डों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है जिसका लाभ आम आदमी को भी मिलेगा। देहरादून से अमृतसर, पंतनगर, अयोध्या, पिथौरागढ़, गोवा, कुल्लू के लिए हेलीसेवा शुरू की गई है। इसी प्रकार त्रिजुगीनारायण, लैंसडाउन, अल्मोड़ा आदि के लिए भी हेली सेवा का प्रयास किया जा रहा है जबकि पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय बनाने का कार्य प्रारंभ होगा। इसके लिए एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया द्वारा ओएलएस सर्वे कर लिया गया है।

चारधाम यात्रा में लगभग 52 दिनों में 34 लाख से अधिक यात्रियों ने दर्शन किए है जबकि पूरा यात्रा सीजन अभी बाकी है। 22जुलाई से कांवड़ यात्रा प्रारंभ होगी जिसका प्रबंधन काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बद्री गाय समेत कई व्यवस्थाओं पर चर्चा की तथा मुख्यमंत्री के तीन साल का कार्यकाल बेमिसाल पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

उत्तराखंड नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू करने वाला राज्य बना। प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत कक्षा 6वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है।

उत्तराखंड ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा 3.56 लाख करोड़ के 1,779 एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं। राज्य सरकार 20 फीसदी करार को धरातल पर उतारकर अब तक 71 हजार करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंडिंग की जा चुकी है।

उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को बड़े स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से ''एक जनपद दो उत्पाद योजना'' की शुरुआत की गई। इस योजना के जरिए प्रत्येक जिले में स्थानीय उत्पादों को व्यावसायिक रूप से बढ़ावा मिल रहा है, उत्तराखंड के 27 उत्पादों को जीआई टैग भी मिल चुके हैं।

केदारखंड के साथ-साथ मानसखंड कॉरिडोर के तहत कुमांऊ क्षेत्र के मंदिरों का भी विकास कर रहे हैं। वहीं हरिद्वार ऋषिकेश कॉरिडोर के साथ ही शारदा कॉरिडोर की प्रक्रिया भी गतिमान है।

लंबे समय से पीआरडी जवानों के मानदेय बढ़ाने की मांग को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूरा करते हुए पीआरडी जवानों के मानदेय में 80 रुपये प्रतिदिन की बढ़ोत्तरी कर 9,400 जवानों को तोहफा दिया। पूर्व में पीआरडी स्वयंसेवकों को प्रतिदिन 570 रुपये मानदेय दिया जाता था, अब इसमें 80 रुपये की बढ़ोत्तरी करके 650 रुपये प्रतिदिन हो गई है।

प्रदेश में उत्तराखंड फिल्म नीति 2024 को मंजूरी दी गई है। नई फिल्म नीति के बाद उत्तराखंड में फिल्मों की शूटिंग का क्रेज बढ़ेगा। इस नीति में क्षेत्रीय फिल्मों की शूटिंग पर दो करोड़ तक की सब्सिडी दी जाएगी। इसके साथ ही नई फिल्म नीति में फ़िल्म विकास परिषद का गठन करने का प्रस्ताव है।

विकास की योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के सर्वांगीण विकास को समर्पित बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की परिकल्पना पर मूर्त रूप देने का काम प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा किया जा रहा है जो देवभूमि की मर्यादा और प्रतिष्ठा को संरक्षित और संवर्धित करने वाला है। इससे उत्तराखंड पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है।

(लेखक भाजपा उत्तराखंड के के मीडिया प्रभारी है।)

राष्ट्रीय एकता के प्रबल पक्षधर थे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी

पूरे प्रदेश की तरह भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भी भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रवाद के महानायक और प्रेरणास्त्रोत डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके स्मृति दिवस पर वैचारिक श्रद्धांजलि दी। प्रदेश के सभी 13 जनपदों में डॉ. मुखर्जी को याद किया गया। प्रदेश मुख्यालय में हुए मुख्य कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी, कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा एवं दायित्वधारी श्री ज्योति गैरोला की उपस्थिति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्यालय में आयोजित इस गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर विचार रखते हुए दायित्वधारी एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री ज्योति गैरोला ने कहा कि डॉ. मुखर्जी सिर्फ जनसंघ के संस्थापक ही नही, बल्कि राष्ट्रीय विचारधारा के वह संवाहक थे जिनके बल भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूती से विश्व के सामने आया। वह आजादी के बाद देश की अखंडता के लिए आत्मोत्सर्ग करने वाले पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने कश्मीर में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान के विरोध में अपने प्राणों का बलिदान दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की विचारधारा को भारतीय राजनीति की धुरी बनाने की शुरुआत की । इसी विचारधारा के संवाहक बनकर, हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता ने अथक श्रम से भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। मुख्य वक्ता श्री ज्योति प्रसाद गैरोला ने कहा कि पीएम श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर सच्ची श्रद्धांजलि अपने महानायक डा मुखर्जी को दी। उन्होंने आह्वान किया कि जब तक हम उनके राष्ट्रवादी विचारों को साथ लेकर आगे चलते रहेंगे कोई भाजपा और देश का विघटन नही कर सकता है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी ने कहा कि डाक्टर मुखर्जी ने राष्ट्रवादी विचारधारा को राजनीति की मुख्यधारा शामिल करवाया। हमे उनके द्वारा स्थापित सिद्धांतों को अपने संस्कार और व्यवहार का हिस्सा बनाना चाहिए। डॉ. ओपी कुलश्रेष्ठ ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रारंभ से ही डॉ. मुखर्जी धर्म के आधार पर विभाजन के विरोधी थे। बिना परमिट के कश्मीर जाते समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया

गया और उनकी संदेहजनक परिस्थितियों में मृत्यु हो गई।

प्रदेश महामंत्री श्री आदित्य कोठारी के संचालन में स्मृति दिवस पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में राजपुर विधायक श्री खजान दास, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश कोली, कार्यालय सचिव कौस्तुभानंद जोशी, दायित्वधारी श्रीमती गीता खन्ना, श्री राजेंद्र अन्थवाल, श्री शमून कासमी, श्री शादाब शम्श, प्रदेश मंत्री श्री आदित्य चौहन, सह मीडिया प्रभारी श्री राजेंद्र नेगी, प्रदेश प्रवक्ता श्री विनोद सुयाल, श्रीमती सुनीता विद्यार्थी, श्री कमलेश रमन, श्री राजकुमार पुरोहित, श्री अभिमन्यु कुमार, श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्री विशाल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसी क्रम में प्रदेश में बूथ स्तर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कृतत्व एवं वक्तित्व को लेकर कैबिनेट मंत्रियों एवं पार्टी पदाधिकारियों की मौजूदगी में गोष्ठियों का आयोजन किया गया। रुद्रप्रयाग में भी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्यतिथि को भाजपा जिला संगठन ने जिला कार्यालय रूद्रप्रयाग मे स्मृति दिवस के रूप मे मनाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप मे प्रदेश के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक, राजनीतिक व शिक्षा के क्षेत्र मे सुविख्यात डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने विचारों और सिद्धान्तों से देश की राजनीति मे उच्च आदर्श स्थापित किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवादी थे वह अखण्ड और एक भारत के लिए कश्मीर को देश की मुख्य धारा मे लाना चाहते थे, उनका एक देश, एक विधान, एक प्रधान व एक निशान बनाने का सपना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 हटाने पर साकार किया। उन्होने कहा कि आज प्रदेश के सभी जनपदो मे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । उन्होने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय के संबन्ध मे जानकारी देने के लिए प्रत्येक मण्डल एवं जिले मे उनके जीवन परिचय की जानकारी दी जाएगी।

कार्यक्रम में विधायक श्री भरत सिंह चौधरी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर अपने विचार रखते हुए उन्हें उस समय जम्मू कश्मीर में लागू धारा 370 का प्रबल विरोधी बताया। जिलाध्यक्ष श्री महावीर पंवार ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने उच्च विचारों और सिद्धांतों का उच्च आदर्श स्थापित किया। प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती आशा नौटियाल ने उन्हें श्रेष्ठ शिक्षाविद् बताया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री भारत भूषण भट्ट ने किया।

इस अवसर पर श्री दिनेश उनियाल, श्रीमती शकुंतला जगवाण, श्री अशोक खत्री, श्री नंद जमलोकी, श्री कुलवीर रावत, श्री विकास डिमरी, श्री प्रदीप राणा, श्री सविता भण्डारी, श्री अरूण चमोली , श्री संपूर्णानन्द सेमवाल, श्री सुरेंद्र जोशी, श्री सतेन्द्र बर्त्वाल, श्री अजय सेमवाल, श्री शीला रावत सहित तमाम वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। ● **प्रस्तुतिः देवकमल**

प्रधानमंत्री व मंत्रियों से मिलकर सीएम ने की सुविधाओं मांग

विकास की ललक मुख्यमंत्री के मन में कूट-कूट कर भरी हुई है। यही कारण है कि डबल ईंजन सरकार को दोहरी गति देने के लिए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी निरंतर प्रयासरत है। भाजपा नीत एनडीए की नई सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली का दौरा किया। इस दौरे में प्रधानमंत्री समेत सभी प्रमुख मंत्रियों से मिलकर प्रदेश के विकास के लिए योजनाएं लाने का सफल प्रयास किया। इस क्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ ही साथ जिन मंत्रियों से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने भेंट की उनमें श्री नितिन गडकरी, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री श्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा, ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्री श्री भूपेंद्र यादव, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू आदि के नाम शामिल है। इन वरिष्ठ मंत्रियों से मिलने का उद्देश्य केवल प्रदेश के विकास की दृढ़ इच्छाशक्ति ही है। मुख्यमंत्री चाहते हैं कि प्रदेश को त्वरित विकास दिया जाए। वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पानगड़िया से भी मुख्यमंत्री ने भेंट की।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली प्रवास के दौरान विभिन्न मंत्रियों से मिलकर प्रदेश के लिए सुविधाओं की मांग की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने संचारमंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट की। ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिलकर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लिए सुविधाओं की मांग की ताकि डबल ईंजन सरकार का लाभ इस प्रदेश को होता रहे। वन क्षेत्र तथा पर्वतीय क्षेत्र अधिक होने के नाम उत्तराखंड में संचार सुविधाओं का अभाव है। वन क्षेत्रों तथा पर्वतों की घाटियों में दूरसंचार व्यवस्था काम नहीं कर पाती इसके लिए अधिक टावरों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से भेंट कर उन्हें संचार मंत्रालय का दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं दी तथा राज्य में संचार सेवाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों पर उनसे चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य में संचार व्यवस्था से वंचित क्षेत्रों में भी टावर लगाकर संचार

व्यवस्था से आच्छादित किए जाने तथा पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्र के गांवों में संचार सुविधाओं के विस्तार तथा रिलाइन्स जिओ द्वारा गुंजी में लगाये गये टावर को संचालित कराये जाने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री को अवगत कराया कि नैनीताल के तल्लीताल स्थित डाकघर को नैनीताल की यातायात समस्या के समाधान हेतु अन्यत्र शिफ्ट किया जाना जनहित में आवश्यक हो गया है। जनपद नैनीताल में प्रतिदिन श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या तथा विश्व प्रसिद्ध बाबा नीम करौली महाराज का आश्रम 'श्री कैंची धाम' की प्रसिद्धि में दिन-प्रतिदिन वृद्धि होने के कारण श्रद्धालुओं के साथ-साथ नैनीताल में पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक बढोत्तरी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नैनीताल को यातायात समस्या के निवारण हेतु पूर्व में आईआईटी, दिल्ली द्वारा नैनीताल की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए किये गये विस्तृत अध्ययन एवम् सुझावों के आधार पर तकनीकी टीम तथा सड़क सुरक्षा समिति द्वारा नैनीताल के मुख्य चौराहे पर स्थित पोस्ट ऑफिस को जाम की समस्या का प्रमुख कारण माना है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री से नैनीताल शहर में जाम से मुक्ति तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ करने के लिये नैनीताल नगर के मुख्य चौराहे पर स्थित डाकघर को अन्यत्र शिफ्ट किये जाने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संचार मंत्री को यह भी अवगत कराया कि 4G सैचुरेशन स्कीम के अन्तर्गत भारत संचार निगम (बी.एस.एन.एल.) द्वारा उत्तराखण्ड में 638 टावर स्थापित किये जाने थे, जिसमें से 481 टावर के लिये भूमि अधिग्रहण की जरूरत थी। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है, परन्तु बी.एस.एन.एल. द्वारा अभी 224 टावर ही लगाये गये है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्रीय संचार मंत्री से बी.एस.एन.एल. को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया। केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा वर्णित विषयों पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन मुख्यमंत्री को दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लिए तय किए विकास के आयाम

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से भेंट कर उन्हें प्रदेश की जनता की ओर से पुनः सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का दायित्व मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी को अवगत कराया कि भारत सरकार द्वारा 2016 में राज्य के 06 मार्गों खैरना-रानीखेत, बुआखाल-देवप्रयाग, देवप्रयाग-गजा-खाड़ी, पाण्डुवाखाल नागचुलाखाल-बैजरों, बिहारीगढ़-रोशनाबाद तथा लक्ष्मणझूला-दुगड्डा-मोहन-रानीखेत को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में उच्चीकृत किये जाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। उन्होंने उक्त मार्गों की अधिसूचना निर्गत किए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कुमाऊँ एवं गढ़वाल को जोड़ने वाले 256.90 किमी० लम्बे खैरना-रानीखेत- भतरौंजखान-भिकियासैंण-देघाट-महलचौरी-नागचुलाखाल-बुंगीधार-बैंजरों सड़क मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित करने का अनुरोध करते हुए बताया कि इसे राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने से कुमाऊं एवं गढ़वाल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि के साथ-साथ क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा। यह मार्ग 05 विधानसभा क्षेत्रों- नैनीताल, रानीखेत, सल्ट, कर्णप्रयाग एवं थैलीसैंण को संयोजित करेगा। मुख्यमंत्री ने 189 किमी० लम्बे काठगोदाम-भीमताल-धानाचूली- मोरनौला- खेतीखान-लोहाघाट-पंचेश्वर मोटर मार्ग को भी राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने का आग्रह केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से किया।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मोहकमपुर आर०ओ०बी० से अजबपुर आर०ओ०बी० तक (विधान सभा चौक से मोहकमपुर तक) के मार्ग को ऐलिवेटेट मार्ग के रूप में परिवर्तित किये जाने का अनुरोध करते हुए कहा कि इसकी लागत रू0 452.00 करोड़ आगणित की गई है। उन्होंने प्रस्तावित कार्य को वार्षिक

योजना 2024-25 में सम्मिलित किये जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून शहर की वाहनों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत 51.59 कीमी. लम्बी देहरादून रिंग रोड का निर्माण प्रस्तावित है। वर्तमान में देहरादून रिंग रोड का कार्य एन०एच०ए०आई० द्वारा किया जा रहा है। आशारोडी से झाझरा तक कुल 12.00 कि.मी० लम्बाई में 04-लेन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जबकि अवशेष कार्य का संरेखण कर मार्ग की डी०पी०आर० गठन की कार्रवाई की जा रही है, मुख्यमंत्री ने इसके शेष कार्य की स्वीकृति के साथ ही 1432 करोड़ लागत की 17.88 कि.मी ऋषिकेश बाईपास सड़क निर्माण हेतु भी केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया। इन प्रस्तावों पर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को अवगत कराया कि कुमाँऊ क्षेत्र में एन०एच०ए०आई० द्वारा अफजलगढ़ भागूवाला बाईपास का निर्माण किया जा रहा है। जिसके लिये संरेखण के अंतिमीकरण की कार्यवाही की जा रही है, तथा एल०ए०सी० के प्रस्ताव को एन०एच०ए०आई० मुख्यालय से स्वीकृति प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार में विचाराधीन उक्त परियोजनाओं पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। इस पर भी केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी को मसूरी-देहरादून के मध्य बढते यातायात के दबाव की समस्या से अवगत कराते हुए अनुरोध किया कि 40 कीमी0 लम्बे देहरादून-मसूरी मार्ग की संयोजकता को भी स्वीकृति प्रदान की जाए। इस मार्ग के निर्माण से देहरादून व मसूरी में अतिरिक्त कनेक्टिविटी प्रदान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे और हिमाचल प्रदेश, पंजाब आदि के लिए मसूरी जाने वाले यातायात को देहरादून शहर में प्रवेश किए बिना इस कनेक्टिविटी का उपयोग करने और शहर को भीड़भाड़ से मुक्त करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी के लिये प्रस्तावित कनेक्टिविटी एन. एच. 07 पर झाझरा गोल चक्कर से प्रारम्भ होकर लाईब्रेरी चौक के पास मसूरी में समाप्त होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 3425 करोड़ की डी.पी.आर. के गठन की कार्यवाही गतिमान है। इस पर भी केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से कैंचीधाम बाईपास के निर्माण की भी स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध करते हुए कहा कि कैंचीधाम, ज्योलीकोट-अल्मोड़ा मोटर मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग 109 के किमी0 24 पर स्थित है। इस स्थल पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने एवं सड़क पर वाहनों से जाम की स्थिति बनी रहती है। वर्तमान में इस मार्ग का (ज्योलीकोट से खैरना) 2 लेन में चौड़ीकरण प्रस्तावित है, जिसका एलाइन्मेंट स्वीकृति हेतु मुख्य अभियन्ता क्षेत्रीय अधिकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार को प्रेषित किया गया है। इस बाईपास की लम्बाई 1.900 किमी० होगी। इस बाई पास के प्रारम्भ बिन्दु के 275 मी० बाद एक 325 मी० की सुरंग भी प्रस्तावित है। इन प्रस्तावों पर भी केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने खटीमा शहर हेतु रिंग रोड़ निर्माण, हल्द्वानी बाईपास निर्माण, पंतनगर एयरपोर्ट हेतु बाईपास निर्माण के साथ ही चंपावत बाईपास, लोहाघाट बाईपास, पिथौरागढ़ बाईपास के निर्माण का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से भेंट के दौरान बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चारधाम सड़क परियोजना, सी.आर.आई.एफ., एन.एच. एवं एन.एच.ए.आई. के माध्यम से राज्य सरकार को विशिष्ट सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के 13 जनपदों में से 10 जनपद पूर्ण रूप से पर्वतीय हैं तथा इन जनपदों में यातायात का मुख्य साधन सड़क मार्ग है। मार्गों को प्रत्येक ऋतु में आवागमन हेतु सुचारू किये जाने के लिए मार्गों को सर्वऋतु मार्गों में निर्मित किया जाने तथा प्रदेश के कई जनपदों की सीमायें अन्तर्राष्ट्रीय सीमा होने के दृष्टिगत सड़क मार्गों से ही सैन्य आवागमन होता है। सामरिक रूप से अतिमहत्वपूर्ण जनपदों में आमजनमानस की आवाजाही बनाये रखने तथा सैन्य आवागमन हेतु मार्गों को उच्चीकृत किया जाना राज्य हित में है। मुख्यमंत्री ने राज्य महत्व की सड़क निर्माण से संबंधित उपरोक्त प्रस्तावों पर स्वीकृति हेतु केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने इस संबंध में हर संभव सहयोग का आश्वासन मुख्यमंत्री को दिया है। ●**प्रस्तुतिः देवकमल**

राष्ट्रपति के अभिभाषण मे विकसित भारत और तीसरी आर्थिक शक्ति बनने का रोड मैपःभट्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को काफी महत्वपूर्ण बताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में विकसित भारत और विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनने का रोडमैप छिपा हुआ है। राष्ट्रपति का यह अभिभाषण इस बात का प्रतीक है कि केंद्र सरकार देश को सर्वाधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने का भगीरथ प्रयास कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने 18 वीं लोकसभा के कामकाज की शुरुआत होने पर खुशी व्यक्त की है। प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने कहा, यह अभिभाषण विरासत के साथ विकसित भारत और विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने का रोड मैप है। जो एनडीए सरकार के मोदी 3.0 के शानदार आगाज को दर्शाता हैं। साथ संविधान दिवस मनाने को वो गौरवशाली अवसर बताया, जिसे कांग्रेस सरकारों ने कभी महत्व नहीं दिया। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महामहिम ने विगत 10 वर्ष से सरकार की निरंतता को स्पष्ट करते हुए वर्तमान उपलब्धियों की बुनियाद पर बुलंद भारत की रूपरेखा प्रस्तुत की । अब तक कार्ययोजना पर आगे बढ़ते हुए भारत सरकार का डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में ग्लोबल लीडर बनने की दिशा में आगे बढ़ना स्वागत योग्य है। महिलाओं के लिए 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने, नमो ड्रोन दीदी योजना और 30 हजार महिलाओं को कृषि सखी बनाकर प्रशिक्षण देना हमारी मातृ शक्ति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टरढ में रिकॉर्ड वृद्धि और किसान सम्मान निधि के साथ किसानों के कल्याण की योजनाओं को जारी रखना छोटे किसानों वाले हमारे राज्य के लिए भी शुभ संकेत हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में चमत्कारिक परिवर्तन की नीति आगे बढ़ना, फ्री राशन के साथ गरीब कल्याण योजनाएं सुचारू रखना, पेपर लीक पर कड़ी कार्यवाही आदि एनडीए सरकार के कार्यक्रमों की गति को पहले से अधिक तीव्र करने की घोषणा मोदी 3.0 के शानदार आगाज को बताता है।

उन्होंने अभिभाषण में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने के जिक्र को वो गौरवशाली अवसर बताया, जिसे कांग्रेस सरकारों ने कभी महत्व नहीं दिया । साथ ही तंज किया किया कि संविधान खत्म होने की अफवाह फैलाने वालों ने कभी बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान का सम्मान नही किया और न ही इस महत्वपूर्ण दिवस को याद करने का देश को मौका दिया । उन्होंने आपातकाल के जिक्र पर कांग्रेस की आपत्तियों को, लोकतंत्र की हत्या का पाप सामने आने पर उनकी खीज बताया। इस अवसर पर उनके साथ राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल भी उपस्थित थे। ● **प्रस्तुतिः देवकमल**

योग हमारी विरासतः पुष्कर सिंह धामी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भगवान शंकर की पवित्र भूमि आदि कैलाश में किया गया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व की तरह राजधानी देहरादून तथा विभिन्न प्रदेश के जनपदों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य आयोजन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आदि कैलास में आयोजित किया गया जबकि मंडल स्तर तक योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने जिला मुख्यालय गोपेश्वर में योग दिवस पर योग किया, जहां सैकड़ों की संख्या में योग करने वाले उपस्थित थे। देहरादून महानगर द्वारा परेड ग्राउंड में योग दिवस आयोजित किया गया। योग बनाए निरोग की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल के संयोजन में ढाई हजार कार्यकर्ताओं ने योग किया। इसी तरह का आयोजन हर जनपद में आयोजित किया। जहां योग दिवस पर हजारों संख्या में कार्यकर्ताओं ने योग किया।

मुख्य आयोजन में आदि कैलास क्षेत्र आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग हमारी प्राचीन विरासत का बहुमूल्य उपहार है जो मनुष्य की मानसिक व शारीरिक शक्ति में वृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ाने में सहायता करता है। नियमित योग अभ्यास तनाव कम करने, जीवन को संतुलित बनाए रखने तथा असंभव लक्ष्य को पाने में विशेष भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परम्परा की एक पहचान है। पूरी मनुष्यता को हमारे ऋषि-मुनियों की यह महत्वपूर्ण देन है। योग साधना के द्वारा हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग के द्वारा आज दुनिया में हमारी विशिष्ट पहचान बनी है। योग के लिये दुनिया भारत की ओर देख रही है। योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का भी संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग ने मनुष्य की सुख शान्ति की राह प्रशस्त की है। महान ऋषि पतंजलि ने योग के माध्यम से लोगों को जीने की राह दिखाई है। हर मनुष्य का परम लक्ष्य सुख और शांति की प्राप्ति है जिसमें योग की बड़ी भूमिका है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने समुद्रतल से लगभग 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलास में योग कर पूरे विश्व के शिवभक्तों को आदि कैलाश दर्शन का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन से आज सीमांत के गांवों की तस्वीर बदल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के पार्वतीकुण्ड आदि कैलाश के दर्शन के बाद व्यास घाटी में आदि कैलाश, ॐ पर्वत, कैलाश दर्शन, काली मंदिर, व्यास गुफा आदि तीर्थ स्थलों के दर्शन को हर रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भगवान शिव की प्रवास स्थली में योग कर दुनिया के सैलानियों और तीर्थयात्रियों को आदि कैलाश के साथ ही इस समूची व्यास घाटी की यात्रा का न्योता देने के साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की अपेक्षा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा विश्व को दी गई 'योग' रूपी अमूल्य धरोहर से आज करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

उन्होंने इस अवसर पर सभी से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शक्ति हेतु योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने एवं अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की भी अपील की। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के सुदूर क्षेत्र में

स्थित देवाधिदेव महादेव को समर्पित श्री आदि कैलास और ओम पर्वत का अद्भुत वातावरण मन में भक्ति, शक्ति और असीम ऊर्जा का संचार करता है। पर्वत राज हिमालय की गोद में बसे गुंजी, कुटी और नाभीढाँग गाँव जहां व्यास घाटी की संस्कृति, परंपरा और विरासत को अपने आँचल में समेटे हुए हैं तो वहीं शिव-पार्वती मंदिर, गौरीकुंड, पार्वती सरोवर, व्यास गुफा और पाण्डव पर्वत सनातन धर्म की अनंत ऊर्जा का परिचय कराते हैं।

योग दिवस पर मुख्यमंत्री ने आदि कैलास में योग कर देश दुनिया के तीर्थयात्रियों को आदि कैलाश, ॐ पर्वत और पार्वती सरोवर के दर्शन का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री का यह आह्वान मानसखण्ड मन्दिरमाला मिशन अभियान को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते वर्ष 12 अक्टूबर को पिथौरागढ़ जिले के एक दिवसीय दौरे पर आए थे। तब प्रधानमंत्री ने ज्योलिंगकोंग पहुंचकर आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के दर्शन किए थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी की यात्रा ने आदि कैलाश धाम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने के साथ ही मानसखण्ड में धार्मिक पर्यटन को नए आयाम प्राप्त हुए है। यहां पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी बढोत्तरी हुई है। इन दिनों प्रति दिन एक हजार से लेकर डेढ़ हजार तक की संख्या में पर्यटक और तीर्थयात्री ॐ पर्वत, आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के दर्शन को पहुंच रहे हैं। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या से अब यह भी स्पष्ट है कि आगामी कुछ वर्षों में ही पिथौरागढ़ का यह सीमांत क्षेत्र बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। इससे इस क्षेत्र के चतुर्दिक विकास और स्थानीय कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा।

पिथौरागढ़ के सीमांत इलाके इन दिनों देश दुनिया के सैलानियों के आगमन से प्रफुलित हैं। आदि कैलाश, पार्वती सरोवर और ॐ पर्वत के दर्शन को हर रोज बड़ी संख्या में पर्यटक और तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। पिथौरागढ़ से लेकर ज्योलिंगकांग तक होटल और होम स्टे यात्रियों और पर्यटकों से भरा हुआ हैं। आदि कैलाश, पार्वती सरोवर, गौरी कुंड, ओम पर्वत देखकर यात्री अभिभूत हैं। हर रोज बस, टैक्सी और निजी वाहनों से ही नहीं बल्कि दोपहिया वाहनों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक और तीर्थयात्री धारचूला पहुंच रहे हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा बंद होने से शिवभक्तों का आदि कैलाश यात्रा के प्रति रुझान बढ़ा है। कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए चीन सरकार का वीजा लेना पड़ता है, जबकि आदि कैलाश के भारत की सीमा में ही होने से मात्र इनर लाइन परमिट पर ही यह यात्रा हो जाती है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को इनरलाइन परमिट के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए आनलाइन परमिट की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है। योग से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। योग का अभ्यास शरीर, श्वास और मन को जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के कारण आज योग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलना देशवासियों के लिये गर्व की बात है। प्रधानमंत्री जी के सार्थक प्रयासों से आज योग जन जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के तीसरे ऐतिहासिक कार्यकाल में इस वर्ष 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2024 को स्वयं एवं समाज के लिए योग सूत्र के साथ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति का मूल आधार ''वसुधैव कुटुम्बकम'' है। अनेकों वैश्विक चुनौतियों और षड्यंत्रों का सामना करने के बावजूद भारत ने कभी भी मानवीय मूल्यों से हटकर आचरण नहीं किया और हमारी इस लोक कल्याणकारी अवधारणा का आधार हमारी संस्कृति है, जिसके मुख्य स्तंभों में एक योग भी है। इसी वजह से योग आज दुनिया के करोड़ों लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन गया है जो विश्व को भारतीय संस्कृति के साथ और अधिक प्रगाढ़ता से जोड़ने का काम कर रहा है। ●**प्रस्तुतिः देवकमल**

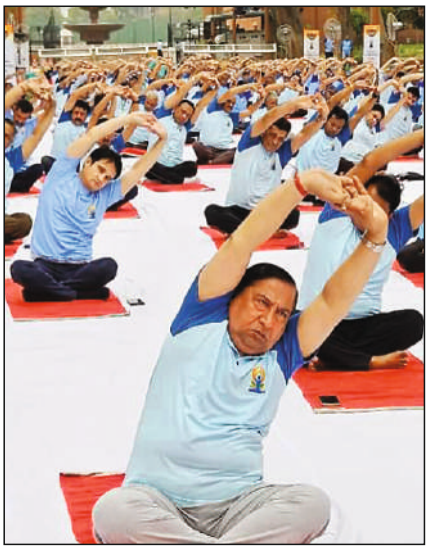

योग रखे निरोग

विश्व योग दिवस पर योग करते केंद्रीय मंत्री श्री अजय टम्टा, सांसद श्री अजय भट्ट, प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, अनिल बलूनी, डॉ. कल्पना सैनी, एवं श्री नरेश बंसल।

'एक पेड़ मां के नाम' से होगा धरा का श्रृंगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत करने का आग्रह भाजपा कार्यकर्ताओं से किया है। इसके पीछे पर्यावरण को बचाने की मुहिम है। भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा राजनीतिक दल है जो सामाजिक सरोकारों में निरंतर प्रयासरत रहता है। समाज की उन व्यवस्थाओं से अपने को जोड़ता है जो मानव जीवन को प्रभावित करती है। इसी के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाने की अपील की है। यह अभियान इसी वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया। सबसे ज्यादा पेड़ लगाने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश में बना था। वहीं, असम के नाम पौधे लगाने और उनके संरक्षण में 9 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि धरती के आवरण को पूरी तरह वृक्षमय किया जाए।

प्रधानमंत्री ने स्वयं भी विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाकर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरूआत की थी। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पिछले कुछ वर्षों से मानवीय लिप्सा एवं विकास की भेंट हजारों नहीं लाखों पेड़ चढ़ गए हैं। वर्तमान सरकार इसी कमी को पूरा करने के लिए इस तरह के अभियानों कों संचालित कर रही है।

उत्तराखंड के सभी प्रमुख भाजपा नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम के माध्यम से प्रकृति को हरा-भरा बनाने का काम किया है। हरेला पर्व जो प्रकृति को सजाने, संवारने का पर्व है के माध्यम से भी सघन वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाता है। प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि वह इस अभियान को और गति देने का काम करें। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों, स्कूल, कालेज, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से सघन वृक्षारोपण का अभियान चलाया जाए। इतना ही नहीं स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तालाब, कुंआ, तथा अन्य जल बहाव जल स्रोतों में प्लास्टिक रहित अभियान चलाया गया। इस अभियान में कार्यकर्ताओं द्वारा बढ़चढ़ कर भाग लिया गया।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय जी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आहवान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हल्द्वानी में पौधरोपण कर कार्यक्रम को गति दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि एक पेड़ मां के नाम आयोजन को निरंतर चलाया जाए। केवल पेड़ लगाया ही न जाए वरन् उन्हें बड़ा होने तक संरक्षित किया जाए। श्री अजेय जी ने कहा कि हम सबका नैतिक दायित्व है कि हम मातृ ऋण, पितृ ऋण, गुरु ऋण के साथ समाज ऋण को भी चुकाने का यथासंभव प्रयास करें।

इसी कड़ी में कृषि मंत्री श्री गणेश ने भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सैन्यधाम में वृक्षारोण किया। श्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत देहरादून के सैन्य धाम में अपनी माँ के नाम एवं सम्मान में वृक्षारोपण कर प्रकृति के संवर्धन तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित

की है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मेरा आप सभी से आग्रह है कि मोदी जी द्वारा शुरू की गई इस अभिनव पहल का हिस्सा बन अपनी माँ के सम्मान में पेड़ लगाकर प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान दें। एक पेड़ मां के नाम का यह अभियान न केवल हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाएगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ●**प्रस्तुतिः देवकमल**

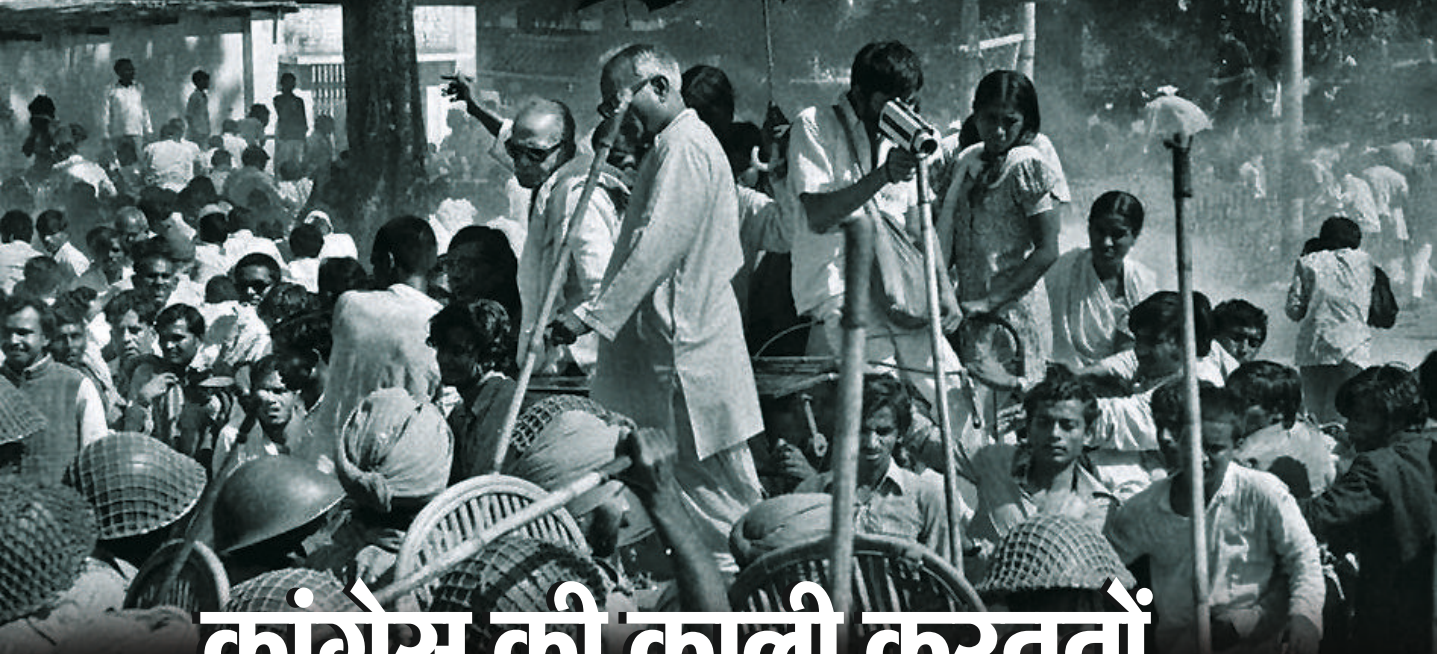

कांग्रेस की काली करतूतों की अवधि थी इमर्जेंसी

भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। विडंबना रही कि भारत को सदियों तक शासकीय प्रताड़ना झेलनी पड़ी। मुगलों के शासन में धार्मिक आधार पर लोगों को प्रताड़ित किया जाता रहा है तो अंग्रेजों के शासन में शोषण के जरिए जनता प्रताड़ित होती रही। देश अंग्रेजी दासता से मुक्त हुआ तो यह उम्मीद जगी कि भारत अब प्रताड़ना के दंश से मुक्त हुआ। लेकिन, देश के आजाद होने के लगभग दो दशक बाद 1975 से 1977 तक जनता को ऐसी प्रताड़ना झेलनी पड़ी, जो प्रताड़ना की पराकाष्ठा थी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के इतिहास का वह एक काला अध्याय था। 25 जून 1975 से 21मार्च 1977 तक 21 महीने की अवधि में भारत प्रताड़ना की दौर में रहा। स्वतंत्र भारत के इतिहास का यह सबसे अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक एवं राजनीतिक अत्याचार का काल था। देश में सभी चुनाव स्थगित हो गए तथा नागरिक अधिकारों को समाप्त कर दिया गया। मानवाधिकारों को कुचल दिया गया। तत्कालीन कांग्रेसी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया गया। अभिव्यक्ति की आजादी समाप्त कर दी गई, प्रेस की स्वतंत्रता समाप्त कर उसको भी प्रतिबंधित कर दिया गया। कोई भी समाचार पत्र सरकार की अनुमति के बिना कुछ भी प्रकाशित नहीं कर सकते थे। चार न्यूज एजेंसियों को एक कर उसे सरकारी नियंत्रण में ले लिया गया था। लगभग चार हजार अखबारों को जब्त कर दिया गया तथा 327 पत्रकारों को मीसा के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। ढ़ाई सौ अख़बारों का विज्ञापन बंद कर दिया गया तथा सात विदेशी पत्रकारों को देश से निकल दिया गया। दर्जन भर विदेशी पत्रकारों के भारत में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई तो कई को भारत से बाहर निकाल दिया गया। ऐसी अलोकतांत्रिक कार्रवाई करने वाली कांग्रेस पार्टी आज संविधान और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करती है तो हास्यास्पद लगती है।

तरुण चुघ

सरकार के अलोकतांत्रिक गतिविधियों का विरोध करने के लिए राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को प्रतिबंधित कर स्वयंसेवकों को यातनाएं दी गई। पुलिस इस संगठन पर क्रूरता के साथ टूट पड़ी थी। उसके हजारों कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया। लाखों स्वयंसेवकों ने प्रतिबंध और मौलिक अधिकारों के हनन के खिलाफ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन में भाग लिया।

कांग्रेस सरकार की तानाशाही ऐसी थी कि सभी विपक्षी दलों के नेताओं और सरकार के आलोचकों के गिरफ्तार करने और सलाखों के पीछे भेजने के बाद पूरा देश अचंभित होने की स्थिति में आ गया

था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जननायक कर्पूरी ठाकुर समेत विपक्ष के तमाम नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

आपातकाल की घोषणा के बाद पंजाब में विरोध मुखर हुआ।सिख नेतृत्व ने भी कांग्रेस के इस करतूत का विरोध किया। अमृतसर में बैठकों का आयोजन किया, जहां उन्होंने "कांग्रेस की फासीवादी प्रवृत्ति" का विरोध करने का संकल्प किया। इस तरह देश के सभी राज्यों में केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ आंदोलन मुखर होता गया। राज्य की विधानसभाओं से विपक्षी विधायकों ने इस्तीफा देना शुरू किया।

1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी की जीत को इलाहाबाद हाईकोर्ट में दी गई चुनौती के बाद से देश में राजनीतिक उथल पुथल का दौर शुरू हुआ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में माना कि इंदिरा गांधी ने सरकारी मशीनरी और संसाधनों का दुरुपयोग किया। इसलिए जन प्रतिनिधित्व कानून के अनुसार उनका सांसद चुना जाना अवैध करार देकर छह साल तक उनके कोई भी चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई। ऐसी स्थिति में इंदिरा गांधी के पास प्रधानमंत्री पद छोड़ने के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं था। अदालत ने कांग्रेस पार्टी को नया प्रधानमंत्री बनाने के लिए तीन हफ्तों का समय दिया था। इस समय देश में 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया' का माहौल बना दिया गया था। ऐसे माहौल में इंदिरा के होते किसी और को प्रधानमंत्री कैसे बनाया जा सकता था? इंदिरा गांधी अपनी ही पार्टी में किसी पर भी विश्वास नहीं करती थीं। उन्होंने तय किया कि वे इस्तीफा देने के बजाय 3 हफ़्तों की मिली मोहलत का फायदा उठाते हुए इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के फैसले पर पूर्ण रोक लगाने से इंकार कर दिया। बिहार और गुजरात में कांग्रेस के खिलाफ छात्रों का आन्दोलन उग्र हो रहा था। बिहार में इस आन्दोलन का नेतृत्व लोकनायक जयप्रकाश नारायण कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अगले दिन यानी 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में जयप्रकाश नारायण की रैली थी। उन्होंने इंदिरा गांधी पर देश में लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया और रामधारी सिंह दिनकर की एक कविता के अंश 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' का नारा बुलंद किया था। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने विद्यार्थियों, सैनिकों, और पुलिस वालों से अपील कि वे लोग इस दमनकारी निरंकुश सरकार के आदेशों को ना मानें, क्योंकि कोर्ट ने इंदिरा को प्रधानमन्त्री पद से हटने को बोल दिया है। महज इसी रैली के आधार पर इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का फैसला किया था। इंदिरा गांधी के खिलाफ पूरे देश में जन आक्रोश बढ़ रहा था। इसमें छात्र और सम्पूर्ण विपक्ष एकजुट हो गए थे।

इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाने का सबसे बड़ा बहाना जयप्रकाश नारायण द्वारा बुलाया गया असहयोग आन्दोलन था। इसी आधार पर 26 जून 1975 की सुबह राष्ट्र के नाम अपने संदेश में इंदिरा गांधी ने कहा कि जिस तरह का माहौल देश में एक व्यक्ति अर्थात जयप्रकाश नारायण द्वारा बनाया गया है, उसमें यह जरूरी हो गया है कि देश में आपातकाल लगाया जाए। इसके साथ ही तत्कालीन भारतीय संविधान की धारा 352 के तहत आपातकाल की घोषणा कर दी गई।

आपातकाल लागू होने के साथ ही विरोध की लहर और तेज़ होती रही। अंततः प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग कर चुनाव कराने की सिफारिश कर दी। चुनाव में आपातकाल लागू करने का फ़ैसला जनता को नागबार लगा। इस अत्याचार का विरोध की अगुवाई करने वाले लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने इसे 'भारतीय इतिहास की सर्वाधिक काली अवधि' कहा था।

1977 में हुए लोकसभा चुनाव में ख़ुद इंदिरा गांधी अपने गढ़ रायबरेली से चुनाव हार गईं। जनता पार्टी भारी बहुमत से सत्ता में आई और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। आजादी के 30 वर्षों के बाद केंद्र में किसी ग़ैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। कांग्रेस को उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में एक भी सीट नहीं मिली। इस नई सरकार में जननेता अटल बिहारी वाजपेयी ने विदेश मंत्री के रूप में दुनिया के सामने भारत की जो तस्वीर पेश की, उसे आज भी लोग याद कर रहे हैं। अटलजी ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में अपना भाषण देकर दुनिया को भारत की भाषा की महत्ता समझाई। सूचना व प्रसारण मंत्री के रूप में लालकृष्ण आडवाणी ने सरकारी संचार माध्यमों को स्वायत्तता प्रदान कर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की।

देश में लगाए गए आपातकाल को भारत के राजनीतिक इतिहास की एक कलंक कथा के रूप में याद की जाती है। जेल में कैद के दौरान भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी की कविताओं में उस समय की स्थिति का आकलन है :-

अनुशासन के नाम पर, अनुशासन का खून
भंग कर दिया संघ को, कैसा चढ़ा जुनून
कैसा चढ़ा जुनून, मातृपूजा प्रतिबंधित
कुलटा करती केशव-कुल की कीर्ति कलंकित
यह कैदी कविराय तोड़ कानूनी कारा
गूंजेगा भारत माता की जय का नारा।●

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

नमो ऐप बन रहा है समस्याओं के समाधान का माध्यम

नमो ऐप के माध्यम से जन सामान्य की समस्याओं का समाधान आज की आवश्यक आवश्यकता बन गई है। इस ऐप के माध्यम से सरकार तक विशेषकर प्रधानमंत्री तक समस्याओं का पहुंचाना और समस्याओं को समाधान तक ले जाना एक युगांतकारी परिवर्तन है। अब तक की सरकारों ने इस संदर्भ में न तो सोचा न ही चिंतन मनन किया जिसके कारण इस तरह की योजनाओं का निर्माण नहीं हो पाया जो जन समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण उपक्रम बन सके। यह मानना है नमो ऐप के संयोजक श्री अनूप रावत का।

नमो ऐप के संयोजक श्री अनूप रावत ने गेंवली देवल जाखंणीधार लोकसभा टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड में जनस्याओं को सुनने के लिए एक आयोजन किया जिसमें नमो ऐप के माध्यम से प्रधानमंत्री तक अपनी बात पहुंचाई गई। एक ऐसे ही कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनता का हस्ताक्षर भी लिया गया जिसे ऐप के माध्यम से प्रधानमंत्री तक प्रेषित किया गया ताकि विकास की योजनाएं प्रधानमंत्री के इस नमो ऐप तक पहुंच सके और उनका जनहित में प्रभावी उपयोग हो सके।

श्री अनूप रावत का कहना है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लोगों से जुड़ने और अलग-अलग मुद्दों पर बात करने के लिए जिस मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करते हैं वह है नमो ऐप। यह ऐप उन्हें सीधे देश की जनता से जोड़ता है। नमो ऐप प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का ऑफिशियल ऐप है। एंड्रॉयड प्लेटफॉर्म पर इसकी रेटिंग 4.6 है और इसे 50 लाख से ज्यादा लोगों ने डाउनलोड कर रखा है। पीएम मोदी यंग ऐंटरप्रेन्योर्स, महिलाओं, छात्रों और किसानों से नमो ऐप के जरिए सीधी बात करते हैं।

गत दिनों नमो ऐप ने 600 जिलों के किसानों को सीधे प्रधानमंत्री से जोड़ने और उनका संदेश पहुंचाने का काम किया। इससे पहले, पीएम ने अपनी पिछली सरकार के चार साल पूरे होने पर नमो ऐप पर एक सर्वे भी लॉन्च किया था। इस सर्वे में लोगों से उनकी सरकार के परफॉर्मेंस की रेटिंग देने के लिए कहा गया था।

नमो ऐप एक ऐसा ऐप है जिससे नरेंद्र मोदी ऐप यूजर्स तक लेटेस्ट इंफॉर्मेशन, अपडेट पहुंचाता है। इसकी मदद से आप अलग-अलग कार्यों में अपना योगदान भी दे सकते हैं। नमो ऐप प्रधानमंत्री से मैसेज और ई-मेल पाने का शानदार माध्यम है, इसके माध्यम से आप प्रधानमंत्री से बात कर सकते हैं और अपने सुझाव उनके साथ साझा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम भी आप इस ऐप के जरिए सुन सकते हैं। यह मोबाइल ऐप आपको

सरकार के कामकाज की जानकारी भी देता है। साथ ही, इसमें इंफोग्राफिक्स की मदद से आप यह जान सकते हैं कि कैसे गुड गवर्नेंस से लोगों की जिंदगी सुधर रही है।

नमो ऐप में कोई परमिशन आवश्यक नहीं है। आप बिना अपना ई-मेल एड्रेस या फोन नंबर डाले बिना भी बतौर गेस्ट ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, दूसरे ऐप में ऐसी सहूलियत नहीं है। साइबर एक्सपर्ट तारिख खान ने एक हिन्दी चैनल को बताया था कि ऐसे ऐप पर कोई भी प्रसारण या लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का काम वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल के माध्यम से होता है।

विकसित भारत के निर्माण हेतु जनता ने श्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सौंपी है। प्रधानसेवक की जिम्मेदारी मिलने से उनके द्वारा भारतवर्ष को आभार व्यक्त करने पर नमो ऐप के माध्यम से जनसामान्य ने प्रधानंत्री श्री नरेंद्र मोदी को हस्ताक्षर कर बधाई दी। साथ ही उनकी कर्मठता व दूरदर्शिता आधारित आगामी निर्णयों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

●प्रस्तुतिः देवकमल

युगांतरकारी सुझावों के चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

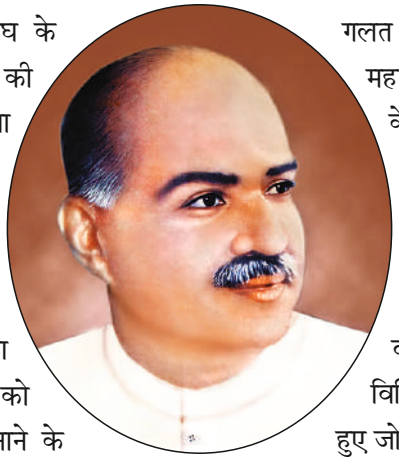

तेइस जून, 2024 को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 71वीं पुण्य तिथि मनाई गई। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत माता के प्रति समर्पण हमेशा याद किया जाता है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक निशान, एक विधान, एक प्रधान' का नारा देकर जम्मू-कश्मीर को देश का अभिन्न अंग बनाने के संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने की वैचारिक और व्यावहारिक लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने भाषा और संस्कृति के संबंध में परिवर्तनकारी सुझाव दिये। डॉ. मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 को राष्ट्रीय एकता के लिए ख़तरा मानते हुए संसद के अंदर और बाहर इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी। 5 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाने का दूरदर्शी निर्णय लिया। अनुच्छेद 370, भारतीय संविधान का एक प्रावधान जो जम्मू और कश्मीर राज्य को विशेष स्वायत्तता प्रदान करता है। इस अद्वितीय स्थिति ने क्षेत्र को रक्षा, संचार और विदेशी मामलों से संबंधित मामलों को छोड़कर, अपना स्वयं का संविधान और निर्णय लेने की शक्तियां रखने की अनुमति दी। अनुच्छेद 370 हटने से पहले प्रशासन में जो भ्रष्टाचार गहरी जड़ें जमा चुका था, उसे अब दूर कर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर के युवा मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल हो रहे हैं और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो रहे हैं।

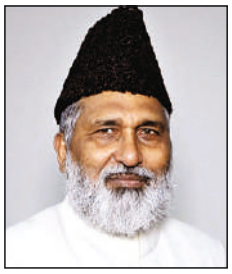

मुफ्ती शमून कासमी

देवभूमि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता पारित होने से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक राष्ट्र, एक संविधान और एक ध्वज का सपना पूरा हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 44 के आदेश पर कार्य करते हुए, जिसमें कहा गया है कि 'राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार ने देवभूमि उत्तराखंड राज्य में समान नागरिक संहिता पारित की है। यूसीसी के कार्यान्वयन से महिलाओं के खिलाफ भेदभाव का उन्मूलन सुनिश्चित होगा। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अन्याय और गलत कृत्यों को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यूसीसी को विभिन्न धर्मों के सभी लोगों के लिए समानता लाने और सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने के लिए अधिनियमित किया गया है।

उत्तराखंड यूसीसी समिति ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए समाज के हर वर्ग से सुझाव आमंत्रित किए। पैनल को विभिन्न माध्यमों से 2.33 लाख सुझाव प्राप्त हुए जो राज्य के लगभग 10 प्रतिशत परिवारों के बराबर है। समिति ने लगभग 20 महीने की अवधि में रिपोर्ट तैयार करने के लिए उत्तराखंड के लगभग 10,000 लोगों और राज्य से बाहर रहने वाले लोगों के साथ बातचीत करने के लिए 72 बैठकें बुलाई थीं। उत्तराखंड यूसीसी किसी भी धर्म के ख़िलाफ़ नहीं है, यह इस्लाम के भी ख़िलाफ़ नहीं है।यह हलाला, बहुविवाह, तीन तलाक जैसी सामाजिक कुप्रथाओं को रोकेगा जो इस्लाम धर्म के आवश्यक सिद्धांत नहीं हैं। समान नागरिक संहिता महिलाओं को समाज में प्रचलित भेदभावपूर्ण व्यक्तिगत कानूनों और परंपराओं से बचाएगी।

समान नागरिक संहिता का मुख्य आकर्षण जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती वह है राष्ट्रवादी उत्साह। अब हमारे पास बहुत सारे अलग-अलग कानून हैं जिन्हें एक समान कानूनी उपाय के रूप में सरल बनाया जाएगा। किसी की धार्मिक आस्था या पहचान के बावजूद, प्रत्येक व्यक्ति को केवल एक भारतीय नागरिक होने के सामान्य बैनर के नीचे रखा जाएगा। और, चूंकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते देशों में से एक के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। संहिताबद्ध कानूनों में एकरूपता राष्ट्र को पहचान की सभी सीमाओं से परे एकीकृत करने और लोकतांत्रिक समाज के वास्तविक आदर्श को प्राप्त करने में मदद करेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखंड राज्य नकल विरोधी कानून से लेकर सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून तक ऐतिहासिक और साहसिक फैसले ले रहा है। देवभूमि उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। यूसीसी एक परिवर्तनकारी कानून के रूप में लैंगिक समानता और सामाजिक उन्नति के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है।●

(लेखक मदरसा बोर्ड उत्तराखंड के अध्यक्ष हैं।)

जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा पानी बोओ पानी उगाओ अभियान

सुनीता विद्यार्थी

रहिमन पानी राखिये बिनु पानी सून।
पानी गए न उबरे मोती मानुष चून।।

रहीमदास की यह पंक्तियां पानी की महत्ता पर प्रकाश डालती है। पानी तीन लोगों के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। इनमें मोती, मनुष्य, चूना प्रमुख रूप से शामिल हैं। यूं तो साहित्य में एक पंक्ति और मिलती है जिसमें कहा गया है धान, पान अरू केरा तीन पानी के है चेरा। यानि धान बिना पानी के नहीं हो सकता, पान के लिए पानी की विशेष जरूरत पड़ती है और केले के लिए भी पानी की विशेष महत्ता है। साहित्य की यह पंक्तियां यूं नहीं लिखी गई। इनके पीछे जल संचय और जल संग्रहण की परिकल्पना थी ताकि आने वाली पीढ़ी को जल संकट न झेलना पड़े। दिल्ली समेत तमाम बड़े महानगरों में बूंद-बूंद पानी के लिए लोग तरस रहे हैं और सरकारें इस पर राजनीति कर रही है लेकिन उत्तराखंड में एक संस्था ऐसी है जो पानी बोओ पानी उगाने का काम कर रही है। इसके पीछे जल संरक्षण की मूल भावना ही है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ऋषिपर्णा नदी को सदा नीरा बनाने के लिए प्रयास प्रारंभ किया था जिसे और गति देने की आवश्यकता है। ठीक यही स्थिति बिंदाल, सुसवा जैसी नदियों की है जो आधुनिक सभ्यता और संस्कृति और अतिक्रमण के कारण विलुप्त होती जा रही है। मानवीय गंदगी तथा नालों का इन नदियों में छोड़ा जाना इन्हें पूरी तरह समाप्त कर रहा है। यह स्थिति तब है जब यह नदियां राजधानी की नदियां हैं।

इसी तरह देखा जाए तो उत्तराखंड में लगभग 6 हजार के आसपास की नदियां सूखने की कगार पर है। राजधानी देहरादून की 23 नदियां जो सदा

नीरा थी बराबर बहती थी, अब बरसाती नदियां होकर रह गई है। बरसात के बाद उनमें पानी नहीं मिलता। इसके पीछे एक नहीं अनेक कारण है। यह स्थिति राजधानी की है। इसी तरह से 2005 में द्वाराहाट, अल्मोड़ा की रिस्कन की सांस बिल्कुल टूट गई थी लेकिन नदी में प्रवाह होने लगा है लेकिन इसके लिए और सघन प्रयास की जरूरत है। प्रयासों के बाद नदियों को जागृत किया जा सकता है। इसके लिए निरंतर यानि भगीरथ प्रयास की जरूरत है। अपने उद्गम स्थल शिखरफाल में रिस्पना नदी जितनी सुंदर और स्वच्छ दिखती है उसके उलट देहरादून शहर में गंदी और नाले की तरह नजर आने वाली रिस्पना नदी गंगा की सहायक नदी है।

जल पुरुष और मैग्सेसे विजेता राजेन्द्र सिंह कहते हैं कि गंगा को साफ रखना है तो उसकी सहायक नदियों पर फोकस करना होगा तभी गोमुख से गंगा सागर तक जीवनदायिनी गंगा को निर्मल बनाया जा सकता है। उत्तराखंड सरकार ने तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने रिस्पना और कोसी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए चुना। रिस्पना के स्रोत तलाशने के लिए आईआईटी रूड़की की मदद भी ली जा रही है और जूनियर ईको टास्क फोर्स का गठन भी किया गया है। रिस्पना के लिए संघर्ष करने वाली संस्था, मेकिंग अ डिफरेंस, के युवा भी खुश हैं कि उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। मैड के युवाओं ने रिस्पना के कई स्रोत तलाश लिए हैं लेकिन लोगों की सहभागिता के बिना रिस्पना को पुनर्जीवित कर पाना संभव नहीं है। गत दिनों उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून प्रेस क्लब के समीप एक रेस्टोरेंट में द्वाराहाट विकास खंड के ग्राम कंडे के

निवासी श्री मोहनचंद्र कांडपाल ने पत्रकारों से बातचीत की।

श्री कांडपाल ने 'पानी बोओ पानी उगाओ' गति दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 34 सालों से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे है, जिसके अंतर्गत उन्होंने गांव की महिलओ और बच्चों के साथ मिलकर 1 लाख से अधिक वृक्ष रोपित किये है जो आज जंगल बन गए है। इसके साथ ही उनके द्वारा जल सरंक्षण हेतु लगभग 5 हज़ार से अधिक खाव एवं खंतिया खुदवाई गई है। पिछले 10 वर्ष से उनके द्वारा 'पानी बोओ पानी उगाओ' अभियान चलाया जा रहा है उनका मानना है कि गांव से पलायन बढ़ जाने के कारण खेत बंजर हो गए हैं अब उनमें वर्षा का पानी नहीं रुकता है। जिसके कारण नौले- धारे सूखते जा रहे है। उसका प्रभाव गैर बर्फीली नदियों पर भी पर पड़ रहा है जिससे उनका जलस्तर घट रहा है। ऐसी ही उनके विकास खंड की नदी है रिस्कन, 40 किलोमीटर लम्बी नदी पर लगभग 46 गांव का अस्तित्व निर्भर करता है।

मई-जून में यह नदी कुछ वर्ष पूर्व सूख जाती थी। उनके द्वारा 'पानी बोओ, पानी उगाओ' अभियान के माध्यम से जागरूकता लाने के साथ-साथ प्रयोगात्मक कार्य ग्रामीणों के साथ मिलकर रिस्कन नदी बचाने का के लिए निशुलक प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत पूजाकार्य, नौकरी लगने, सेवानिवृत्त होने, शादी व संतान होने पर लोगों से अपील की जाती है कि वह जल संरक्षण हेतु खाव खुदवाएं व पेड़ लगाएं। ताकि वह रिस्कन नदी को बचा सके। मोहनचंद्र कांडपाल ने बताया कि उनके इस अभियान के बाद ग्रामीणों ने 10 लाख से अधिक की राशि के खाव और खंतिया बनाई है। श्री मोहनचंद्र कांडपाल चाहते हैं कि उनके पिछले 10 वर्ष से की जा रहे प्रयास को केंद्र और राज्य सरकार उदाहरण के तौर पर लें और इस दिशा में प्रयास किया जाए। पानी बोओ पानी उगाओ के तहत श्री मोहनचंद्र कांडपाल और उनके सहयोगी इस दिशा में विशेष प्रयास कर रहे हैं। इस प्रयास की प्रदेश और देश को विशेष आवश्यकता है ताकि नदियां पुनर्जीवित होकर सदा नीरा बनें और जल संकट का समापन हो। ● **(लेखिका भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता हैं।)**

प्रभाकर के लिए राष्ट्र व समाजहित सर्वोपरि थाः कोश्यारी

कबिरा संगत साधु की, ज्यों गंधी की बास।
जो कछु गंधी दे नहिं, तो भी बास सुबास।।

कबीर दास की यह पंक्तियां पूरी तरह चरितार्थ होती है साहित्यधर्मा समाजसेवी भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी रहे स्वर्गीय प्रभाकर उनियाल पर। आज भले ही प्रभाकर उनियाल सशरीर इस असार संसार में नहीं है लेकिन उनका व्यक्तित्व, कृतित्व और साहित्य लोगों को प्रेरणा देता रहता है। ऐसे ही साहित्यधर्मा, समाजसेवी श्री प्रभाकर उनियाल की एक कृति 'स्मृति किरण' का लोकार्पण आईआरडीटी सभागार में महराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल व उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी ने किया। इस प्रति के लोकार्पण के अवसर पर श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि हमारे लिए राष्ट्र प्रथम समाज और परिवार सबसे बाद में होता है। किसी भी नागरिक के लिए अपने-अपने परिवार के हित से ऊपर राष्ट्र हित होना चाहिए तभी यह राष्ट्र निरंतर आगे बढ़ेगा और उक्त व्यक्ति का योगदान राष्ट्र निर्माण में रहेगा। आईआरडीटी सभागार में डॉ. प्रभाकर उनियाल की पुस्तक का स्मृति किरण का लोकार्पण करते हुए श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि श्री प्रभाकर उनियाल अपने समर्पित राष्ट्रभावना व संघर्ष के लिए जाने जाते रहेंगे। श्री भगत सिंह कोश्यारी ने डॉ प्रभाकर उनियाल की पुण्यतिथि पर स्मृति किरण का विमोचन मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल, क्षेत्रीय प्रचारक प्रमुख श्री जगदीश, समरसता प्रमुख श्री लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल, विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र मित्तल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा की श्री प्रभाकर उनियाल एक समर्पित व्यक्ति थे जिनकी राष्ट्रवादी भावना और विचार उनके कार्यक्षेत्र में भी सम्मानित होते रहे हैं। समाज के साथ-साथ अपने कार्यों के प्रति समर्पण श्री प्रभाकर उनियाल से सीखा जाना चाहिए। वह एक अच्छे इंनसान होने के साथ-साथ एक अनुशासित व्यक्तित्व थे जो आम आदमी में बड़ी कठिनाई से मिलता है। डॉ. प्रभाकर उनियाल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी संगठन को निरंतर मजबूती दी। इनके साथ रहकर अपना जीवन समाजसेवा में लगाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि उनकी पत्नी श्रीमती विनोद उनियाल ने इतना साथ न दिया होता तो डॉ. प्रभाकर उनियाल जिस ऊंचाई तक पहुंचे हैं वहां तक न पहुंच पाते।

क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्री जगदीश ने कहा डॉ. प्रभाकर उनियाल जैसे कार्यकर्ताओं के संघर्ष से ही संगठन आगे बढ़ता है। राज्यसभा सदस्य श्री नरेश बंसल ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. प्रभाकर उनियाल से उनका लगभग 50 साल पुराना रिश्ता था। हम दोनों ने साथ-साथ कॉलेज में पढ़ाई की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में साथ-साथ रहे। डॉ . प्रभाकर उनियाल में कमाल की नेतृत्व क्षमता थी जिसके कारण ही उनकी लोकप्रियता बनी रही। उन्होंने अपने संस्मरण में बताया कि एक बार मैंने प्रभाकर जी को राजनीति में आने की सलाह दी थी, तब उन्होंने कहा कि राजनीति में उनकी किस्मत में नहीं बल्कि उनकी पत्नी श्रीमती विनोद उनियाल की किस्मत में राजनीति है।

उनके पुत्र श्री मधुकर ने उनके संघर्ष के बारे में बताया कि वह सतत चिंतनशील व्यक्ति थे। यह पुस्तक उनकी विभिन्न कहानियां अनुसंधान कार्य कविताएं और विचार प्रेरित लेखों का संग्रह है। पुस्तक में संस्मरण लिखने वालों वाले डॉ. अतुल शर्मा, श्री बीपी ममगाई, श्रीमती जुन्याली पांथरी, श्री एस रैना, श्री रोशन अग्रवाल, श्री धर्मवीर, श्री बलदेव पाराशर व प्राची जुयाल ने संचालन किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, श्रीमती विनोद उनियाल, श्री पुनीत मित्तल, श्री विजय स्नेही, आचार्य शिव प्रसाद ममगाई समेत भारी संख्या में समाजसेवी व विशिष्टजन उपस्थित थे। ● **प्रस्तुतिः देवकमल**

अमर शहीद दुर्गामल्ल

गोरखा समाज का भारत के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान रहा है। इस समाज ने तन-मन-धन से राष्ट्र को सिंचित करने का काम किया है। गोरखों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राण दिए। स्वाधीनता आंदोलन में अपना तन मन धन लगाकर देशभक्ति का बेजोड़ परिचय भी दिया और देते आ रहे हैं। देहरादून में गोरखा कई पीढियों से स्थायी रूप में बसे हैं। उनके पुरखों ने देहरादून के खलंगा, नालापानी में जो वीरता का प्रदर्शन किया उसकी मिसाल सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित वीर बलभद्र का स्मारक इतिहास की एक अमर गाथा का प्रमाण देता है। अमर शहीद श्री दुर्गामल्ल के पुरखे इन्हीं गोरखा परिवारों से थे।

शहीद श्री दुर्गामल्ल का जन्म उत्तराखंड के देहरादून के डोईवाला गांव में सन् 1913 में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री गंगाराम मल्ल और माता श्रीमती पार्वती देवी के तीन पुत्रों में श्री दुर्गामल्ल सबसे बड़े थे। श्री दुर्गामल ने देहरादून कैंट में स्थित गोर्खा मिलिट्री स्कूल से नवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी, लेकिन स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय हो जाने से गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने चाचा हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला निवासी श्री केदारमल्ल के यहां चले जाने से उनकी पढ़ाई आगे बढ़ न सकी। वे फुटबाल के खिलाड़ी थे और उस समय के अंग्रेज अधिकारी उनकी प्रतिभा से परिचित थे। देहरादून में वे क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेते थे। जब वे धर्मशाला गए तो उनकी फुटबाल खेल को देखकर 2/1 गोरखा रायफल्स के भर्ती अधिकारी ने उन्हें तुरंत सेना में भर्ती कर लिया। वे उस समय 18 वर्ष के थे।

श्री दुर्गामल्ल बचपन से ही संवेदनशील थे, भावुक थे। अपनी जाति और समस्त देशवासियों की गुलामी, अशिक्षा, शोषण और अत्याचार से उनका कवि हृदय आंदोलित हो उठता था। संवेदनशील के रूप में श्री दुर्गामल्ल गोरखा समाज में व्याप्त गरीबी, पिछड़ापन और अशिक्षा को देखकर दुखी होते थे। उनका मानना था कि सकारात्मक मनोवृत्ति से ही जीवन सार्थक बन सकता है, इसलिए अपनी कविताओं में उन्होंने गोरखा युवकों को यही संदेश दिया। उन्होंने जीवन के प्रत्येक चरण में देश और समाज के लिए नए क्षितिज का दिग्दर्शन कर इस संसार से विदा लिया था । श्री दुर्गामल्ल फौजी होने पर भी ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीति के विरोधी थे।

11 फरवरी 1942 को जापानी सेना ने मित्र सेना की दुर्गति करने का प्रयास किया था। मित्र सेना के अनेक सैनिक युद्ध बंदी के रूप में जापान में थे, जिनमें श्री दुर्गामल्ल भी थे। श्री दुर्गामल्ल तब अन्य सिपाहियों के साथ आजाद हिन्द फौज के वालिन्टियर बने और क्षमता के अनुसार वह शीघ्र ही कप्तान और उसकेबाद मेजर पद पर पदोन्नत हो गए। वे गुरिल्ला टुकड़ी के कमाण्डर नियुक्त किए गए थे। भेष बदलकर ब्रिटिश सेना के सामरिक महत्व की गोपनीय सूचना, गतिविधि, देश की आर्थिक स्थिति सम्बंधी सूचनाएं एकत्र करने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। दुर्भाग्यवश 27 मार्च 1944 को मेजर श्री दुर्गामल्ल कोहिमा के निकट मणिपुर उखरूल नामक स्थान पर गोपनीय सूचना एकत्र करते हुए शत्रुओं के हाथ पड़ गए।

श्री दुर्गामल्ल को युद्धबंदी के रूप में दिल्ली के लाल किले के बंदी गृह में रखा गया। उनके विरूद्ध भारतीय सैनिक कानून की धारा 41 तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 121 के तहत सैनिक अदालत में मुकदमा चलाया गया और उन्हें मृत्यु दण्ड की सजा दी गई। 25 अगस्त 1944 को श्री दुर्गामल्ल को फांसी पर लटका दिया गया। श्री दुर्गामल्ल मात्र 31 वर्ष का सार्थक जीवन बिताकर उन्होंने प्राणों की बलि देकर अपना भौतिक शरीर त्यागा। इतनी छोटी उम्र में ही उन्होंने अमरत्व प्राप्त कर लिया। अमर शहीद श्री दुर्गामल्ल के सम्बंध में भारत सरकार के अभिलेखागार विभाग में एक विवरण सुरक्षित है।

25 सितम्बर 1992 को अखिल भारतीय नेपाली भाषा समिति उत्तर प्रदेश राज्य की शाखा देहरादून के तहत्वावधान में डोईवाला बाजार एरिया कमेटी के संयोजन में स्थापित शहीद श्री दुर्गामल्ल की प्रतिमा का अनावरण तत्कालीन श्रम एवं नियोजन मंत्री श्री हरबंस कपूर द्वारा किया गया। उनकी विशिष्टता का आंकलन इसी बात से लगाया जा सकता है कि संसद भवन परिसर में 17 दिसम्बर 2004 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने शहीद दुर्गामल्ल की प्रतिमा का अनावरण किया। भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट जारी करके उन्हें अमर शहीद का दर्जा भी दिया। देहरादून कैंट में दुर्गा मल्ल पार्क में उनकी प्रतिमा स्थापित है और डोईवाला के कालेज का नाम उनके नाम पर स्थापित किया गया जो इस अमर सपूत को श्रद्धांजलि है।

उदय ठाकुर, ***(लेखक गोर्खाली सुधार सभा गढ़ी कैंट***

प्रधानमंत्री
पद एवं
71

हजारों गणमान्य अतिथियों की तालियों की गड़गड़ाहट और 'जय श्री राम', 'भारत माता की जय' एवं 'मोदी-मोदी' के उद्घोष के बीच लोकसभा में भाजपा के नेता एवं एनडीए संसदीय दल के नेता श्री नरेन्द्र मोदी ने 09 जून, 2024 को शाम 7.15 बजे राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह में 71 मंत्रियों के साथ लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के सहयोगियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2014 और 2019 में इसी स्थान पर शपथ ली थी। श्री मोदी अपने पारंपरिक परिधान 'कुर्ता-पायजामा' में मंच पर पहुंचे और हिंदी भाषा में शपथ ली। एनडीए 3.0 सरकार में श्री नरेन्द्र मोदी के अलावा 30 कैबिनेट मंत्रियों, 5 राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों को भी महामहिम राष्ट्रपति द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं एनडीए नेताओं ने देश भर में चुनाव प्रचार के दौरान जनता से आशीर्वाद मांगा। यह चुनाव प्रक्रिया सात चरणों में पूर्ण हुई और लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम 04 जून, 2024 को घोषित किए गए। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों की तरह मतदाताओं ने एक बार फिर भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के पक्ष में मतदान किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को ऐतिहासिक एवं शानदार जीत दिलाई। इसी के साथ देश में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ। भारतीय इतिहास में यह उल्लेखनीय क्षण है, क्योंकि एनडीए ने लगातार तीसरी बार अपनी सत्ता बरकरार रखी है।

भव्य शपथ ग्रहण समारोह के दौरान 30 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह, श्री नितिन जयराम गडकरी, श्री जगत प्रकाश नड्डा, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्रीमती

मोदीजी ने लगातार तीसरी बार
ं गोपनीयता की ली शपथ
मंत्रियों ने भी शपथ ली

निर्मला सीतारमण, डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर, श्री मनोहर लाल, श्री एच. डी. कुमारस्वामी, श्री पीयूष गोयल, श्री धर्मेंद्र प्रधान, श्री जीतन राम मांझी, श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, श्री सर्बानंद सोनोवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार, श्री किंजरापु राममोहन नायडू, श्री प्रल्हाद जोशी, श्री जुएल ओराम, श्री गिरिराज सिंह, श्री अश्विनी वैष्णव, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, श्री भूपेंद्र यादव, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, श्री किरेन रिजिजू, श्री हरदीप सिंह पुरी, डॉ. मनसुख मंडाविया, श्री जी. किशन रेड्डी, श्री चिराग पासवान एवं श्री सी. आर. पाटिल ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कुल 5 मंत्रियों ने शपथ ली। राव इंद्रजीत सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह, श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री जाधव प्रतापराव गणपतराव एवं श्री जयंत चौधरी ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।

शपथ ग्रहण समारोह में 36 राज्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। श्री

राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आज शाम हुए समारोह में मैंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मैं और मंत्रिपरिषद के मेरे सहयोगी 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने और देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनडीए सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मंत्रियों की इस टीम में युवा जोश और अनुभव का अद्भुत संगम है। हम सभी देशवासियों का जीवन बेहतर बनाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखेंगे। मैं शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बने दुनियाभर के गणमान्य अतिथियों का भी हृदय से आभारी हूं। विश्व बंधु के रूप में भारत सदैव अपने निकट साझेदारों के साथ मिलकर मानवता के हित में काम करता रहेगा।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

जितिन प्रसाद, श्री श्रीपद येसो नाइक, श्री पंकज चौधरी, श्री कृष्ण पाल, श्री रामदास अठावले, श्री राम नाथ ठाकुर, श्री नित्यानंद राय, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, श्री वी. सोमन्ना, डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी, प्रो. एस. पी. सिंह बघेल, सुश्री शोभा करंदलाजे, श्री कीर्तिवर्धन सिंह, श्री बी. एल. वर्मा, श्री शांतनु ठाकुर, श्री सुरेश गोपी, डॉ. एल. मुरुगन, श्री अजय टम्टा, श्री बंदी संजय कुमार, श्री कमलेश पासवान, श्री भागीरथ चौधरी, श्री सतीश चंद्र दुबे, श्री संजय सेठ, श्री रवनीत सिंह, श्री दुर्गादास उइके, श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, श्री सुकांत मजूमदार, श्रीमती सावित्री ठाकुर, श्री तोखन साहू, श्री राज भूषण चौधरी, श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, श्री हर्ष मल्होत्रा, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया, श्री मुरलीधर मोहोल, श्री जॉर्ज कुरियन और श्री पबित्रा मार्गेरिटा ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

इस भव्य आयोजन के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "आज शाम को आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। मैं 140 करोड़ भारतीयों की सेवा करने तथा भारत को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मंत्रिपरिषद के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

आज शपथ लेने वाले सभी लोगों को बधाई। मंत्रियों की यह टीम युवा एवं अनुभवी लोगों का बेहतरीन मिश्रण है और हम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "मुझ पर भरोसा जताने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभारी हूं। मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने विकास, नवाचार एवं समृद्धि को बढ़ावा देते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

मैं पूरी लगन और ईमानदारी के साथ अथक परिश्रम कर, मुझे सौंपी गयी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करने की प्रतिज्ञा करता हूं। हम सब मिलकर हर नागरिक के लिए एक उज्ज्वल, अधिक समावेशी भविष्य की ओर यात्रा शुरू करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी प्रगति एवं विकास यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे। जय हिंद!"

श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "मुझ पर उनके निरंतर विश्वास और भरोसे के लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं भारत के रक्षा मंत्री के रूप में अपनी मातृभूमि की सेवा करना जारी रखूंगा। भारत की सीमा की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और हम भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा करना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदीजी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करने और रक्षा विनिर्माण एवं निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए स्वयं को फिर से समर्पित करेंगे।"

श्री अमित शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में पद की शपथ ली। देश और देशवासियों की सेवा करने का मुझे दोबारा अवसर देने के लिए मैं मोदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विकास का एक सुनहरा युग देखा है। राजग सरकार ने अपनी कुशल नीतियों एवं पहलों के माध्यम से देश की वास्तविक क्षमता को उजागर किया है, जिसके कारण महिलाओं, गरीबों, किसानों एवं युवाओं समेत समाज के हर वर्ग में खुशहाली आई है। जैसाकि हम इस नई यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, मुझे विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

- जगत प्रकाश नड्डा
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर एक नया इतिहास रच दिया है। मैं उन्हें इस अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूं और 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से उनका अभिनंदन करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि मोदीजी के नेतृत्व में एनडीए सरकार विकसित, सुरक्षित और समृद्ध भारत के संकल्प को पूरा करने में और देशवासियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

भारत के लिए एक अविस्मरणीय दिन...
श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की बहुत-बहुत बधाई। आज हम विकसित व 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ गरीबों और किसानों के उत्थान के लिए कटिबद्ध रहेगी और पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण को एकता के सूत्र में बांधकर सशक्त भारत का निर्माण करेगी।

- अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने और एक ऐसे 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे जो विकास के हर क्षेत्र में अग्रणी होगा।"

स्वतंत्रता के बाद और विशेष रूप से 1962 के बाद से यह पहली बार है कि कोई मौजूदा सरकार लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए विजयी हुई है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अब पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने लगातार तीन बार सरकार बनाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपलब्धि को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने हाल ही में कहा था कि यह पिछले छह दशकों में पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरे कार्यकाल के साथ सत्ता में लौटा है। उन्होंने कहा, "यह 1962 के बाद पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल हेतु कार्य करने का अवसर मिला है।"

इस समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री रानिल विक्रमसिंघे; मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्ज़ू; सेशेल्स के उपराष्ट्रपति श्री अहमद अफीफ; बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना; मॉरीशस के प्रधानमंत्री श्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ अपने जीवनसाथी के साथ; नेपाल के प्रधानमंत्री श्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', भूटान के प्रधानमंत्री श्री शेरिंग तोबगे शामिल हुए। मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के नेताओं के साथ उनके मंत्री भी थे।

प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के अलावा अध्यात्म, उद्योग, फिल्म और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित लोग भी इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह का हिस्सा बने। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ नए संसद भवन के निर्माण में शामिल सफाई कर्मचारी और मजदूर भी इस समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह को देखने के लिए राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में करीब 9,000 लोग मौजूद थे। ■

श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला

'हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के इरादे के साथ 'राष्ट्र प्रथम' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे'

श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय का कार्यभार संभाला। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि शुरू से ही पीएमओ ने सेवा का अधिष्ठान और जनता का पीएमओ बनाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हमने पीएमओ को एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है, जो नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बने।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का मतलब है शक्ति, समर्पण और संकल्प की नई ऊर्जा। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि पीएमओ समर्पण के साथ लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अकेले मोदी ही सरकार नहीं चलाते, बल्कि हजारों लोग एक साथ मिलकर जिम्मेदारी उठाते हैं और परिणामस्वरूप नागरिक ही इसकी क्षमताओं की भव्यता के साक्षी बनते हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम में शामिल लोगों के पास समय की कोई बाध्यता नहीं है, सोचने की कोई सीमा नहीं है और न ही प्रयास करने के लिए कोई निर्धारित मानदंड हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश को इस टीम पर भरोसा है।

श्री मोदी ने इस अवसर पर अपनी टीम का हिस्सा रहे लोगों को धन्यवाद दिया और उन लोगों का भी आह्वान किया जो अगले 5 वर्षों के लिए विकसित भारत की यात्रा में शामिल होना चाहते हैं और राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के इरादे के साथ 'राष्ट्र प्रथम' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।" उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका हर पल राष्ट्र का है।

श्री मोदी ने बताया कि इच्छा और स्थायित्व का जोड़ दृढ़ संकल्प बनाता है, जबकि दृढ़ संकल्प के साथ कड़ी मेहनत करने पर सफलता मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी की इच्छा स्थायी है, तो वह संकल्प का रूप ले लेती है, जबकि लगातार बदलती इच्छा केवल एक लहर है।

श्री मोदी ने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की और अपनी टीम को भविष्य में पिछले 10 वर्षों के काम से बेहतर प्रदर्शन करते हुए वैश्विक मानदंड से आगे निकल जाने के लिए प्रेरित किया। श्री मोदी ने कहा, "हमें देश को उन ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए, जिसे किसी अन्य देश ने कभी हासिल नहीं किया है।"

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सफलता के लिए विचारों की स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और काम करने की ललक जरूरी हैं। उन्होंने कहा, "अगर हमारे पास ये तीन चीजें हैं, तो मुझे नहीं लगता कि सफलता नहीं मिलेगी।"

श्री मोदी ने भारत सरकार के कर्मचारियों को श्रेय दिया जिन्होंने खुद को एक विजन के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी सरकार की उपलब्धियों में बड़ी हिस्सेदारी के हकदार हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "इन चुनावों ने सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों पर मुहर लगाई है।" उन्होंने अपनी टीम को नए विचार विकसित करने और काम के पैमाने को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री मोदी ने संबोधन का समापन अपने ऊर्जावान बने रहने की वजह पर प्रकाश डालते हुए किया और कहा कि एक सफल व्यक्ति वह होता है जो अपने भीतर के छात्र को जीवित रखता है। ■

जगत प्रकाश नड्डा ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री का कार्यभार संभाला

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 जून को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव और सुश्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद थीं।

कार्यभार संभालने के बाद श्री नड्डा ने कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के रूप में कार्यभार संभालकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देश की प्रगति और लोगों की भलाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की रीढ़ के रूप में स्वास्थ्य क्षेत्र न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करता है, बल्कि स्वास्थ्य चुनौतियों को हल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में भारत की स्वास्थ्य सेवाएं किफायती और उन्नत बुनियादी ढांचे के साथ अपनी उत्कृष्टता के लिए विश्वस्तर पर विख्यात हैं। यह परिवर्तन भारत को दुनिया भर में चिकित्सा पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।"

श्री नड्डा ने कार्यभार संभालने के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत की, जहां उन्हें चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री अपूर्व चंद्रा और अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य) श्रीमती रोली सिंह सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। ■

राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्री का पदभार संभाला

श्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि पहले से अधिक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना के लिए नए सिरे से जोर देने के साथ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा उद्देश्य रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश के सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करना है। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और सेवारत तथा सेवानिवृत्त दोनों सैनिकों के कल्याण पर हमारा मुख्य ध्यान बना रहेगा।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य आने वाले समय में रक्षा निर्यात को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर को छू गया था। यह ऐतिहासिक था। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2028-2029 तक 50,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के रक्षा उपकरणों का निर्यात करना होगा।

उत्तर प्रदेश में लखनऊ से लगातार तीसरी बार लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद श्री राजनाथ सिंह ने 9 जून, 2024 को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। उल्लेखनीय है कि श्री सिंह 2019 से 2024 के दौरान भी देश के रक्षा मंत्री रहे। ■

हर क्षेत्र में युगांतकारी परिवर्तन करने का काम मोदीजी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने किया है : अमित शाह

एनडीए संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने कहा कि सभी को हृदयपूर्वक पुनः लोकसभा में जीत कराने के लिए बहुत मन से बधाई। अभी-अभी देश के रक्षा मंत्री जी ने लोकसभा सदन के नेता, भारतीय जनता पार्टी संसदीय दल के नेता और एनडीए संसदीय दल के नेता के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा है, इसका मैं मन से समर्थन करता हूं।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव सिर्फ हम सब बैठे हुए चंद लोगों के मन की इच्छा नहीं, यहां बैठे हुए एनडीए के घटक दलों की एक सर्वसम्मत इच्छा भी नहीं है, यह प्रस्ताव 140 करोड़ की देश की जनता के मन का घोष है। कश्मीर से कन्याकुमारी और कामाख्या से द्वारका तक इतने विस्तृत भूभाग के अंदर देश के हर कोने से, हर तहसील से, हर कंस्टीट्यूएंसी से एक आवाज सामान्य रूप से उभर कर आई है कि देश का नेतृत्व अगले 5 साल के लिए श्री नरेन्द्र मोदी करें, यह सबकी इच्छा है। गत 10 सालों में प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने काम किया। इसमें हर क्षेत्र में युगांतकारी परिवर्तन करने का काम उनके नेतृत्व में भाजपा एनडीए सरकार ने किया है और देश की जनता का यह जनादेश उसको एक्नॉलेज करता है, इस पर मजबूत ठप्पा लगाता है।

श्री शाह ने कहा कि आज यह पवित्र जगह जहां हमारे संविधान का निर्माण हुआ, उस संविधान सदन के अंदर हम जो लोग फैसला करने जा रहे हैं, वह आजाद भारत के इतिहास का एक ऐतिहासिक फैसला है कि 60 साल के बाद तीसरी बार कोई व्यक्ति लगातार प्रधानमंत्री बनने जा रहा है, वह हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी है। इसलिए मैं भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से, देश की जनता की ओर से और एनडीए के सहयोगी दलों की ओर से, यह तीनों प्रस्ताव जो राजनाथ सिंह ने रखे हैं, इनका मनपूर्वक समर्थन करता हूं और मैं आशा करता हूं कि आप लोग भी समर्थन करें। ■

देवकमल के आजीवन सदस्य बनें

आज ही देवकमल की सदस्यता लें और राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना सहयोग दें

सदस्यता प्रपत्र

नाम : _____

पूरा पता: _____

_____

_____

दूरभाष : _____ मोबाइल : (1) _____ (2) _____

ईमेल : _____

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹ 150/-	☐	आजीवन सदस्यता	₹ 5000/- ☐
	तीन वर्ष	₹ 550/-	☐		

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र.: _____ दिनांक : _____ बैंक : _____

नोट: डीडी/ चेक, 'देवकमल' के नाम देय होगा।

मनी ऑर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे। (हस्ताक्षर)

देवकमल

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें :-

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड

प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून, उत्तराखंड, पिन नं. 248001, फोन नं. 0135-2669578

वीरभद्र मंदिर मार्ग, ऋषिकेश में श्री भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा निर्मित 'माधव सेवा विश्राम सदन' के लोकार्पण के अवसर पर सर संघचालक डा. मोहन भागवत, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, स्वामी चिदानंद मुनि व अन्य विशिष्टजन।

केंद्रीय सड़क व परिवहन राज्यमंत्री श्री अजय टम्टा के आवास पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार गौतम, सह प्रभारी श्रीमती रेखा वर्मा, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट, सांसद डॉ. कल्पना सैनी एक बैठक के दौरान।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनते प्रदेश अध्यक्ष श्री महेन्द्र भट्ट एवं अन्य विशिष्टजन। दूसरे चित्र में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, विधायक श्री विनोद चमोली, महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल तथा अन्य विशिष्टजन मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए।

देवकमल

उत्तराखण्ड भाजपा का वैचारिक मुखपत्र

प्रेषण की तिथि : चालू माह की 15वीं तारीख

RNI No. UTTHIN/2022/81460

Postal Registration No.: UA/DO/DDN/02/2022-24

भाजपा प्रदेश मुख्यालय,

39/29/3, बलवीर रोड,देहरादून– 248001

दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, गृह मंत्री श्री अमित शाह, रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कलयाण मंत्री श्री जेपी नड्डा, ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल, पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से भेंट करते मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी श्रीमती विनोद उनियाल, (प्रदेश प्रमुख प्रकाशन विभाग) द्वारा भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के लिए प्रदेश कार्यालय, 39/29/3 बलवीर रोड, देहरादून से प्रकाशित तथा सरस्वती प्रेस, 2 ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक : राम प्रताप मिश्र 'साकेती'

देवकमल के लिए अपने जनपद तथा भाजपा संगठन के विशेष कार्यक्रमों के चित्र तथा जानकारी इस मेल पर भेजें।

ई-मेलः- editordevkamal@gmail.com

/ Devkamal4uk